5 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-2 | सितम्बर-2022 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

देवी लाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल

DLMEH
Eye Care We Care

24x7 इमरजेंसी सेवाएँ

(फेको सर्जरी सेन्टर)

ISO: 9001-2015 सर्टिफाईड आई हॉस्पिटल

नेत्र रोगीयों को समर्पित क्षेत्र का एकमात्र अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त आई हॉस्पिटल

RGHS के तहत सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स का केशलेस उपचार (ओ.पी.डी., आई.पी.डी., दवाईयाँ) की सुविधा

विद्युत विभाग (JVVNL, AVVNL, JdVVNL, RVPN, RVUNL) के सभी कर्मचारीयों एवं पेंशनर्स का RGHS के नियमानुसार उपचार सुविधा

RGHS

Rajasthan Government Health Scheme

राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना

डॉ. सुनिता कुमावत

(Glaucoma & Phaco Surgeon)

M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

डॉ. वी.के. गुप्ता
(नेत्र रोग विशेषज्ञ)
M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

डॉ. दीपक गोयल
भेंगापन (Squint) रोग विशेषज्ञ
M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

डॉ. सुनिल ठाकुर
रेटीना (पर्दारोग) विशेषज्ञ
M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)

- मोतियाबिन्द (Cataract)
- कालापानी (Glaucoma)
- नखुना (Pterygium)
- नासूर (Dacryocystitis)
- पर्दा रोग (Retina)
- भेंगापन (Squint)
- O.C.T
- PERIMETRY
- ROP SCREENING
- FUNDUS

विमल कुमावत (निदेशक)
मो.6376957834

सेन्टर I
रेल्वे स्टेशन रोड़, चौमूँ (जयपुर)
8442080910, 8740080910

सेन्टर II
दांता रोड़, कि.रेनवाल (जयपुर)
9602587835, 9530093030

TALENT

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत - 9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

आज हम बाहरी चमक को पाने की अंधी दौड़ में आंतरिक संतोष, आत्मिक प्रगति व आध्यात्मिक विकास को पूरी तरह से भूल बैठे हैं। इस दौड़ में दिलों की दरिद्रता और भावनाओं की रिक्तता ही हमारे हिस्से में आयी है, जिसे हम चारों ओर महसूस कर रहे हैं। यह ठीक है कि हम सुख संपन्नता की ओर बढ़े हैं किंतु उसी अनुपात में परस्पर आपसी प्रेम व विश्वास में कमी आई है। एक दूसरे के प्रति शक, संदेह और कठोरता जैसी नकारात्मकता बढी है। आज देश में अनीति, अन्याय, असहनशीलता और अविश्वास व्याप्त है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि मनुष्य के अंतरंग में देवी और आसुरी शक्तियां दोनों ही कार्य करती है। आसुरी वृत्तियां नकारात्मक शक्तियां हमें नीचे गिराती है व पतन की ओर ले जाती है जैसे पानी बिना किसी विशेष प्रयास के ढलान पर बहता चला जाता है वैसे ही मनुष्य की दुष्वृतियां बिना सीखे व बिना प्रशिक्षण के पतन की ओर अग्रसर करती है, इससे व्यक्ति का संतुलन बिगड़ जाता है। इसलिए मनुष्य का अंतरंग और वातावरण का परिशोधन भी आवश्यक हो जाता है। यदि कूड़ा करकट घर में भरता जाए और कोई झाड़ू ने लगाए तथा यदि शरीर पर मैल की परतें चढ़ती जाए और कोई नहाए नहीं तो बदबू इतनी भर जाएगी कि रहना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए आज की परिस्थितियां आव्हान करती है कि हमें अनीति का प्रतिरोध करने के लिए समय पर तैयार रहें। अंधेरे का विरोध करना इसलिए जरूरी होता है ताकि समय रहते उसे यह संदेश दिया जा सके कि आतंक स्वीकार नहीं है। यदि हमें कोई गलत कार्य दिखाई पड़ता है और यदि हम उसकी हां- में- हां मिला देते हैं तो उसे पाप करने की खुली छूट दे देते हैं। यदि ऐसे में हम सीना तान कर खड़े हो जाएं कि गलत काम में सहयोग नहीं करेंगे तो बुराई ज्यादा दिन नहीं टिक पाएगी।

क्यों ना हम इस नवरात्र पर्व से हमारे अंतरंग में व्याप्त आसुरी शक्तियों को जड़ से खत्म करने की शुरुआत करें, इस बाहरी दिखावे व चमक की दौड़ और आडंबर से दूर होने की कोशिश करें। नवरात्रि 1 साल में 4 बार आती है लेकिन चैत्र और शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। हिंदू नववर्ष की शुरुआत चैत्र नवरात्रि से मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शारदीय नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है, उनके आने की खुशी में इन 9 दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। धार्मिक आयोजनों के साथ साथ नया व्यापार, गृह प्रवेश और शुभ कार्य आरंभ करने का प्रचलन है। हमें इस पवित्र पर्व पर स्वयं के चरित्र में व्याप्त बुराईयों को सदैव के लिए खत्म करने की शुरुआत करनी चाहिए जिससे कि हमारा जीवन सुख-शांति पूर्वक गुजर सके तथा परिवार व समाज में समृद्धि का प्रसार हो।

नवरात्र एवं **दशहरा** पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

नोट : वेवबसाइट का पता बदला, अब www.kumawatindiapatrika.in पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक देख सकते हैं।

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय	3
संरक्षक : श्री विमल कुमावत	4
विशिष्ट संरक्षक : श्री राकेश कुमावत	4
'कुमावत इंडिया' पत्रिका के विशेषांक का भव्य विमोचन	5
कुमावत गौरव : श्री बी.एल. वर्मा	6
टीम चेतन धुंधारिया निक्षय मित्र से सम्मानित	6
संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन' द्वारा किष्कंधा में 'रामकथा' आयोजित	7
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति द्वारा 'इमर्जिंग लीडरशिप' कार्यक्रम	7
बाबूलाल मारोठिया राजस्थान हैण्डीक्राफ्ट रत्न अवार्ड से सम्मानित	8
संयुक्त सचिव पद पर धरा कुमावत विजयी	8
डॉ. धीरज वर्मा एडिशनल मेडिकल सुपरिंटेंडेंट नियुक्त	8
धीरेन कुमावत का इंस्पायर अवार्ड में चयन	8
यशवी कुमावत ने 98.20% अंक प्राप्त किये	8
मास्टर भौंरीलाल वर्मा स्मृति कार्यक्रम मनाया गया	9
माँ वैष्णों देवी पदयात्रा सेवा समिति द्वारा भण्डारा आयोजित	9
बाबा रामदेव महोत्सव मनाया गया	9
समाज को संगठित करना आज की आवश्यकता : युधिष्ठर कुमावत	10
किडनी ऑपरेशन हेतु 51000 रुपए की सहायता दी	11
प्रवासी कुमावत क्षत्रिय समाज समिति उदयपुर का वार्षिक सम्मेलन	11
दिलीप चौधरी विधायक प्रतिनिधि नियुक्त	11
महेश कुमावत सहायक आचार्य चयनित	11
खेल प्रतियोगिता में कुमावतों ने जीते पदक	11
सीताराम नागा अध्यक्ष बने	11
महामारी में पाया अवसर	12
5 अक्टूबर को 'एक शाम श्याम सांवरे के नाम'	12
धर्मशाला चौथ का बरवाड़ा विकास समिति की बैठक	12
नेमीचंद कारवाई प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत	12
कविश कुमावत ने कराटे चैम्पियनशिप जीती	12
उवर्शी बालोदिया की कलम से...	13-14
'कुमावत इंडिया' पत्रिका का विशेषांक विमोचन एवं सम्मान समारोह चित्रावली	15-17
डूंगर राम गैदर शिल्प एवं माटी कला बोर्ड अध्यक्ष नियुक्त	18
राजेश पार्षद का जन्मदिन मनाया	18
श्रवण कुमावत बने महेश नगर मण्डल ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष	18
बुराइयों के खात्मे का पर्व है- दशहरा	19
रावण वध की रोचक जानकारी	20
नये सदस्य	20
कुंडली में विवाह और मधुर दांपत्य के योग	21
अंधविश्वास की डोर- मुकेश, बोराज	22
Syndicate (व्यवसाय संघ)- मुकेश नीमीवाल	23
विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
अनूठे अंदाज में मनाया जन्मदिन	27
विज्ञापन : श्री श्याम प्रेमी परिवार	27
विज्ञापन : जन्मदिन बधाई एवं वैवाहिक	28
श्रद्धांजलि	29
विज्ञापन : टीम चेतन धुंधारिया को निक्षय मित्र सम्मान	30
विज्ञापन : मास्टर भौंरीलाल वर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट	31

संरक्षक

श्री विमल कुमावत

पुत्र स्व. श्री देवीलाल बारावास देवीलाल मेमोरियल हॉस्पिटल, रेलवे स्टेशन रोड चौमूं, जयपुर-303702 मो. 6376957834

श्री विमल कुमावत ने बी.टेक. (मेकेनिकल) किया है तथा 12 वर्ष तक (MNC कम्पनी) में इण्डस्ट्रीयल सर्विसेज दी। वर्ष 2018 में आप आपने देवीलाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल, किशनगढ़-रेनवाल की स्थापना की। आपकी पत्नी डॉ. सुनीता कुमावत वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ तथा ग्लूकोमा व फेको सर्जन है। वर्ष 2020 में देवीलाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल चौमूं की स्थापना की। आप इनके मैनेजिंग डायरेक्टर का दायित्व सफलता से निर्वहन कर रहे हैं। इन दोनों अस्पतालों ने अल्प समय में ही ख्याति अर्जित कर ली है। आपकी पुत्री सांची (11 वर्षीय) तथा पुत्र समर्थ (6 वर्षीय) है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

विशिष्ठ संरक्षक

श्री राकेश कुमावत

पुत्र श्री सत्यनारायण आसीवाल
एस-3-बी, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर मो. 9460061006

श्री राकेश कुमावत ने B.Sc. तथा LLB करने के पश्चात् भारत सरकार के कार्यालय महालेखाकार राजस्थान जयपुर में सेवा प्रारम्भ की तथा वर्तमान में आप वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदस्थापित हैं। आप सरल एवं सौम्य स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप सामाजिक कार्यों में सदैव आगे रहते हैं। आपके पिता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। आपका विवाह श्रीमती मीना कुमावत पुत्री श्री चेतनलाल जी सिरोहिया सांगानेर से हुआ है। आपके पुत्र आदित्य कुमावत ने बी.कॉम. किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका के विशेषांक का भव्य विमोचन

समाज के विधायक, नेता तथा राष्ट्रीय अध्यक्षों ने शिरकत की

28 अगस्त। प्रतिभाओं को आगे लाना और समाज में हो रही गतिविधियों का संकलन कर समाज के लोगों को तक पहुंचाने के लिए समर्पित ''**कुमावत इंडिया**'' पत्रिका के 5 वर्ष पूर्ण होने पर **विशेषांक विमोचन एवं सम्मान समारोह** का आयोजन कुमावत समाज भवन, मालवीय नगर, जयपुर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सम्माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। पत्रिका अध्यक्ष रमेश गैदर, सी.एम. बडीवाल, सुरेन्द्र नागा, हेमचंद खडगटा, चेतन बालोदिया ने पधारे हुए अतिथियों का माला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। मंच संचालन श्रीमती भारती तोंदवाल ने किया। **मुख्य अतिथि चेतन कुमावत ने कहा कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने 5 साल की अल्प अवधि में समाज के विकास में अनूठे आयाम स्थापित किये हैं।** पत्रिका ने हर मुद्दे पर निष्पक्ष पत्रकारिता की है और सामाजिक खबरों का संकलन तथा विवाह योग्य युवक-युवतियों की जानकारी एकत्र करके समाज के लोगों तक पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभा रही है। पत्रिका के सम्पादक रामप्रकाश मारवाल ने कहा कि हमारा प्रयास 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के हर अंक को श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम रूप से प्रकाशित करना है। हमारे लेखकों ने अच्छे आर्टिकल्स भिजवाएं हैं जिन्हें पत्रिका में प्रकाशित कर हमें गर्व है साथ ही हमें समाजबंधुओं का सहयोग मिलता रहा है, हम उनके आभारी हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की मीडिया इकाई के जयसिंह गुडीवाल व प्रथम गुडीवाल ने कार्यक्रम का सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री चेतन कुमावत, जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर, विशिष्ट अतिथि : श्री जोराराम कुमावत विधायक सुमेरपुर, श्री युधिष्ठर कुमावत राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा, श्रीमती मधु कुमावत प्रदेश मंत्री भाजपा, श्री विमल कुमावत पूर्व उपमहापौर एवं जयपुर शहर भाजपा उपाध्यक्ष, श्री नवरतन राजोरिया पूर्व विधायक फुलेरा, रामेश्वर बंबोरिया अध्यक्ष सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा, श्री राजेश धुन्धारिया पार्षद, श्री राजेश बालोदिया पार्षद तथा उभरते व्यवसायी श्री मनोज सिंघनवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरत से पधारे श्री शुभकरण किरोडीवाल ने की।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने 5 वर्ष में यह छठा समारोह किया है इसमें समाज के लोगों को विशेष उपलब्धियाँ हासिल करने पर सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. नाथूलाल वर्मा आर्टिस्ट, श्री बनज कुमार 'बनज' कवि एवं गीतकार, श्री हेमन्त कुमावत कवि, श्री राजेन्द्र खोरानिया ज्योतिषाचार्य, श्री सुरेन्द्र लाम्बा एडवोकेट एवं सदस्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी, श्री मोहन बालोदिया गायक, श्रीमती रश्मी बालोदिया गायिका, डॉ. ओ.पी. बालोदिया शिशु रोग चिकित्सक, डॉ. पी.एस. कुमावत, डॉ. आकाश मरोडिया, स्वामिनी सेवा संस्था, श्री माधव बालोदिया आर्टिस्ट, श्रीमती उर्वशी बालोदिया लेखिका, श्री जयकिशन सोकिल समाजसेवा, श्री राधेश्याम घासोलिया समाजसेवा, श्री नरेन्द्र आर्य समाजसेवी, श्री रामप्रसाद कुमावत पत्रकारिता, सुश्री चारू कुमावत ग्राफिक डिजाइनर, आशा कुमावत वेट लिफ्टर तथा धरा कुमावत संयुक्त सचिव राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ सम्मिलित हैं।

कार्यक्रम के अंत में समाजबन्धुओं ने स्नेहभोज का आनन्द लिया। पधारे हुए अतिथियों एवं समाजजनों का पत्रिका अध्यक्ष रमेश गैदर ने आभार व्यक्त किया।

श्री बी.एल. वर्मा

श्री बंशीलाल वर्मा (बी.एल. वर्मा) का जन्म दिनांक 17.6.1937 श्री छीतरमल किरोड़ीवाल ग्राम हिरनोदा, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर के परिवार में हुआ। इनके पिता तत्कालीन ब्रिटिश रेलवे में यार्ड मास्टर थे। आपके चार भ्राता स्व. श्री महेश चन्द वर्मा (JEN, P&T), स्व. श्री आनन्दीलाल, हरिनारायण (LIC मुंबई में सेक्रेटरी) एवं राजेन्द्र प्रसाद, एडवोकेट (राजस्थान उच्च न्यायालय) हैं। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा हिरनोदा, जोबनेर एवं फुलेरा में हुई, नरेना से आपने 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की तथा महाराजा कॉलेज जयपुर से M.Com., LLB की। आप IRTS में वर्ष 1961 में चयनित हुए तथा मद्रास में (Assistant Suptt. & ATS Movment and Senior Divisional Commercial Suptt.) के पद पर नियुक्त हुए जो एक उच्च पद था। आपने वर्ष 1962 तथा 1971 की लड़ाई में टेरीटोरियल आर्मी में भी रहकर कैप्टिन पद पर वर्ष 1974 तक सेवाएं दी। इस दौरान आपने अपनी योग्यता से रेलवे तथा सेना के कार्य में सामंजस्य स्थापित कर युद्ध सामग्री निश्चित अवधि में भिजवाने का महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पादित किया। आप रेलवे में रहते हुए 30 जून, 1995 को सदर्न रेलवे के चीफ कॉमर्शियल मैनेजर कॉमर्शियल के पद से सेवानिवृत्त हुए।

आप दुर्गालक्ष्मी मंदिर, पोरूर, चेन्नई के संस्थापक सदस्य हैं। सेवानिवृत्त के पश्चात आप चेन्नई में समाज सेवा तथा मंदिर एवं धार्मिक कार्यों में संलग्न रहते हैं। आपके पुत्र श्री सुरेश वर्मा जैम स्टोन के कारोबार में हैं, सुनील वर्मा एक सिविल इंजीनियरिंग कम्पनी में कार्यरत हैं तथा सुशील वर्मा टीसीएस में सेवारत हैं तथा आपकी पुत्री सुनीता इंटीरियर डिजाइनर है।

आप नौकरी के साथ-साथ समाज सेवा में भी सदैव आगे रहे हैं। आप मृदुस्वभाव के हैं तथा मितभाषी है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपकी दीर्घायु तथा अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती है।

टीम चेतन धुंधारिया निक्षय मित्र से सम्मानित : निक्षय मित्र बन टीबी मुक्त समाज बनाने में देगी योगदान

अक्सर देखने को मिलता है कि टीबी की बीमारी को लेकर कुछ रोगियों और समुदायों में हीन भावना रहती है और लोग इस बीमारी को कलंक व छूत की बीमारी के रूप में देखते हैं। टीम चेतन धुंधारिया ने इन रोगियों को मित्र समझते हुए कार्य किया और निरन्तर इनको संबल प्रदान किया। इसी के तहत सामाजिक कार्यों में अपनी महति भूमिका निभाने व चिकित्सा सेवा (क्षय रोग) को लेकर 'टीम चेतन धुंधारिया' को उल्लेखनीय सेवा के लिए राजभवन में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र देकर 'निक्षय मित्र' से सम्मानित किया। टीम चेतन धुंधारिया की ओर से प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने यह सम्मान प्राप्त किया।। टीम चेतन धुंधारिया टीबी रोगियों के लिए पोषणयुक्त भोजन, पोषण किट व आजीविका स्तर पर अन्य सामग्री समय-समय पर उपलब्ध करवाती रही है।

टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत ने बताया कि टीबी मरीजों को गोद लेकर उनको इलाज के दौरान हर माह पोषक आहार मुहैया कराने के साथ ही भावनात्मक सहयोग प्रदान करने के कार्य में ओर तेजी लायेंगे। निक्षय मित्रों के संपर्क में रहने से उन्हें बीमारी से लड़ने का साहस मिलता है। टीबी मरीजों को विभाग तो जांच और दवाएं निःशुल्क मुहैया करा ही रहा है साथ ही अगर सामाजिक संस्थायें, सामान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, गैर सरकारी संस्थान, कॉर्पोरेट संस्थायें निक्षय मित्र बनकर कार्य करे तो इस योजना को और अधिक मजबूती मिल सकती हैं।

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने कहा कि आज का दिन टीम के लिए गौरव व यादगार दिन है। टीम ने लगातार चेतन जी कुमावत के नेतृत्व में काम करते हुए यह मुकाम हासिल किया है और आपके नेतृत्व में टीम लगातार नित नई ऊँचाइयों को छुएगा और कीर्तिमान हासिल करेगा। वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने के लक्ष्य के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री 'टीबी मुक्त भारत अभियान' से जुड़कर देश से टीबी की बीमारी को हराने का संकल्प टीम चेतन धुंधारिया द्वारा लिया गया।

संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन' द्वारा किष्कंधा में 'रामकथा' आयोजित

2-8 सितम्बर 2022 को श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन' द्वारा किष्कंधा में 'रामकथा' का आयोजन किया गया जिसमें जयपुर तथा अन्य क्षेत्रों से लगभग 250 श्रद्धालु पहुंच कर महाराज के श्रीमुख से कथारस का आनन्द लिया। इस भव्य आयोजन में सर्वसमाज के स्त्री-पुरुष सम्मिलित थे। लोगों ने यहां श्री हनुमान जन्म स्थल (अंजनाद्री पर्वत), बाली गुफा, ऋषिमुख पर्वत एवं सुग्रीव गुफा, शबरी आश्रम/पम्पा सरोवर, राम द्वारा बरसात में की गयी प्रतिक्षा का स्थल आदि स्थानों के दर्शन का लाभ लिया। साथ ही हम्पी की विश्व धरोहर यूनेस्को साइट में तत्कालीन स्थापत्य कला को देखकर मन्त्रमुग्ध हो गये।

हरिनाम संकीर्तन परिवार संस्था द्वारा कथा के साथ ठहरने व खाने की उम्दा व्यवस्था की गयी थी। कथा श्रवण की व्यवस्था एयरकंडीशन हाल में थी। प्रारम्भ से अंत तक श्रोतागण कथा का आनन्द लेते व आरती के बाद ही उठते थे यह क्रम सातों दिन ऐसे ही चलता रहा।

यहां यह बताना समीचीन है कि महाराज, वर्ष में दो बार धार्मिक कथाओं का आयोजन धार्मिक महत्व के स्थलों पर भी करते है। वैसे वर्ष भर श्रीमद्भागवत कथा, नानीबाई का मायरा, रामकथा, हनुमत कथा तथा भरत चरित कथा जयपुर के आसपास के क्षेत्रों में करते रहते हैं, इच्छुक व्यक्ति यहां भी कथा श्रवण का लाभ ले सकते है।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति द्वारा 'इमर्जिंग लीडरशिप' कार्यक्रम का सफल आयोजन

चेतन कुमावत ने बताए कुशल राजनीतिज्ञ बनने के मंत्र

कुचामन सिटी स्टेशन रोड स्थित कुमावत भवन में राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के तत्वाधान में इमर्जिंग लीडरशिप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हाल ही में संपन्न हुए छात्र संघ चुनावों में समाज के विजयी व प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति की वेबसाइट पर ऐप का विमोचन भी किया गया साथ ही राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति, बूंदी द्वारा 4 अक्टूबर 2022 को निकाली जाने वाली विशाल शोभायात्रा के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

प्रदेशाध्यक्ष नवरत्न मोरवाल ने एप्लीकेशन व वेबसाइट की जानकारी दी। नावां के पूर्व विधायक हरीश कुमावत ने समाज में शिक्षा व समाज को विकास की ओर अग्रसर करने के लिए प्रेरित किया। ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने सफल राजनीतिज्ञ बनने के मंत्र बताए व कहा कि समाज के विकास के लिए युवाओं को आगे आना होगा। राजसमंद युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मोहन कुमावत ने युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आने के साथ राजनीति में भी आने का आह्वान किया। राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ की संयुक्त सचिव धरा कुमावत ने महिलाओं को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की बात कही। मंच संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रभुदयाल पिपलोदा ने किया। इस अवसर पर बाबूलाल पलाड़ा कुमावत विकास समिति अध्यक्ष, पवन कुमावत वेटलिफ्टर, देवीलाल दादरवाल सरपंच खरिया, जयसिंह कुमावत जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर, राजकुमार फौजी किसान मोर्चा भाजपा, गोरी कुमावत, शिवदयाल ढाबलिया, जिलाध्यक्ष पंकज सिरोहिया, जिला प्रभारी संजीव कुमावत, गिरिराज कुमावत बूंदी , समाजसेवी राजू राम घोडेला, गोपाल लाल टोंक, प्रदेश महामंत्री हरीश कुमावत, राजेंद्र नागा, कोषाध्यक्ष नेमीचंद पचेरीवाल, रामरतन कुमावत, मुकेश नोखवाल, सरपंच दहमी कला गणेश कुमावत, राजकीय महाविद्यालय महासचिव कोमल कुमावत, ललित कुमावत , लादूराम मोरवाल, सूरज किरोड़ीवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य बंधु मौजूद रहे।

बाबूलाल मारोठिया राजस्थान हैण्डीक्राफ्ट रत्न अवार्ड से सम्मानित

MSME दिवस 2022 (18 सितम्बर) को राजस्थान की उद्योग मंत्री श्रीमती शकुंतला रावत, मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, राजस्थान लघु उद्योग कॉरपोरेशनके चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने श्री बाबूलाल मारोठिया, चित्रकला आर्टिस्ट को समारोह में राजस्थान हैण्डीक्राफ्ट रत्न अवार्ड-2019-20 से सम्मानित किया गया। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से शिल्पगुरु श्री बाबूलाल मारोठिया को हार्दिक बधाई।

डॉ. धीरज वर्मा एडिशनल मेडिकल सुपरिटेंडेंट नियुक्त

डॉ. धीरज वर्मा को राजकीय कांवटिया अस्पताल का एडिशनल मेडिकल सुपरिटेंडेंट नियुक्त किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. धीरज वर्मा को बधाई।

संयुक्त सचिव पद पर धरा कुमावत विजयी

राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में संयुक्त सचिव पद पर NSUI की प्रत्याशी धरा कुमावत 141 मतों से विजयी हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा धरा कुमावत को जीत की घोषणा करने के बाद पुलिस उन्हें शपथ दिलाने के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय लेकर आई, जहां विधिवित रूप से धरा कुमावत ने शपथ ली।

धरा कुमावत पुत्री श्री संजय कुमावत शक्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर निवासी हैं तथा महारानी कॉलेज जयपुर से बी.ए. ऑनर्स की अन्तिम वर्ष की छात्रा हैं। आपकी पेंटिंग एवं स्पोर्ट्स में रूचि है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने 28 अगस्त, 2022 को आयोजित समारोह में धरा कुमावत को बुलाकर बधाई दी एवं सम्मानित किया।

वरिष्ठ कांग्रेसी श्री मूलाराम कुमावत, ग्राम सेवा सहकारी समिति रामदेवरा, जैसलमेर के अध्यक्ष बनाये गए हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

मौसम कुमावत पुत्री श्री बनवारी लाल जी बगड़ी (सीकर) का IIT में चयन हुआ है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

धीरेन कुमावत का इंस्पायर अवार्ड में चयन

सीकर जिले के दांता की धाबाई वाली कोठी के लाड़ले धीरेन कुमावत सुपुत्र श्री राधेश्याम कुमावत का कक्षा 12वीं के विज्ञान संकाय के गणित विषय में 93% अंक अर्जित किए थे। इनका इंस्पायर स्कालरशिप 2022 के तहत इंस्पायर अवार्ड में चयन हुआ है। इस छात्रवृत्ति का उद्देश्य मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करना है। इंस्पायर स्कॉलरशिप 2022 योजना में भारत सरकार ने विज्ञान में उच्च शिक्षा के लिए, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से देश के होनहार और प्रतिभाशाली छात्रों को दी जाने वाली इंस्पायर स्कॉलरशिप में छात्रों की सालाना 80 हजार रूपये तक की छात्रवृत्ति दी जाती है। 12वीं में विज्ञान परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों में टॉप ग्रुप के एक प्रतिशत छात्र इस्पायर स्कॉलरशिप के लिए योग्य माने जाते हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से धीरेन कुमावत को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

यशवी कुमावत ने 98.20% अंक प्राप्त किये

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के कक्षा 12वीं व 10वीं के परिणाम अधिकांश विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान लेकर आए। स्कूलों के लिए भी खुशी की ही बात रही। लगभग सभी स्कूलों का परिणाम अच्छा रहा। बेटियां भी इस परिणाम में पीछे नहीं रही। अलवर राजस्थान की रहने वाली यशवी कुमावत ने 98.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर समाज का नाम रोशन किया। पिता सुरेश चन्द कुमावत अलवर में ही नमकीन का व्यवसाय करते हैं। रामेश्वर नमकीन भंडार, अलवर में जानी पहचानी फर्म है। यशवी की माताजी प्रीति नागौरा एडवोकेट है। परिणाम आते ही परिवारजन खुशी से झूम उठे। पूरे परिवार में उत्सव जैसा माहौल हो गया। परिवारजनों ने मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। यशवी कुमावत को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकमनाएं।

मास्टर भौंरीलाल वर्मा स्मृति कार्यक्रम मनाया गया

कुमावत समाज के अग्रपुरुष मास्टर भौंरीलाल वर्मा की 108वीं जयंती पर 14 सितंबर 2022 को ट्रस्ट कार्यालय 30, नंदन निकुंज, पंचवटी जेडीए कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, जयपुर पर 30 वां मास्टर भौरीलाल वर्मा स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्व श्री रामजी लाल वर्मा, हरीश कुमार वर्मा, रामपाल जूनवाल, प्रबोध चंद कुमावत, किशोर कुमार देवतवाल, राधेश्याम वर्मा, रामधन देवतवाल, लक्ष्मीकांत वर्मा, धीरज, पुष्पेंद्र, पंकज, रवि कांत वर्मा आदि ट्रस्टीगण के अलावा समाज के गणमान्य बंधुओं ने मास्टर जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। मास्टर जी ने अपने जीवन काल में निर्धन एवं गरीब छात्रों के लिए आर्थिक सहायता, शैक्षणिक स्कूल पाठ्य पुस्तकें, आदि की व्यवस्था की साथ ही कल्याण जी का रास्ता स्थित बाल निवास में छात्रावास की स्थापना की। बाल निवास में एक पुस्तकालय की स्थापना की। अपनी दादी जी की स्मृति में श्रीमती लक्ष्मी समिति पुस्तकालय की स्थापना की। इनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने एवं चिरस्मरणीय सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए वर्ष 1993 एक समिति गठन किया गया। यह समिति, वर्ष 2005 से रजिस्टर्ड ट्रस्ट के रूप में कार्यरत है। इस वर्ष 75 वें स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष में आजादी का अमृत महोत्सव नया भारत अखंड भारत एवं आजादी के अमृत महोत्सव विश्व शांति

विषय पर डिजिटल कक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की संयोजक श्रीमती प्रियंका देवतवाल ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में पारंपरिक कला जिसमें श्रेणी प्रथम कालेज स्तर, श्रेणी द्वितीय कक्षा 10 से 12 तथा श्रेणी तृतीय कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। डिजिटल कला वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं 5 सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। साथ ही पारंपरिक कला में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय के साथ 2 सांत्वना पुरस्कार प्रदान दिये जाएंगे। सभी विजेता विद्यार्थियों को जयपुर पेंसिल ग्रुप द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन डिजिटल फोटोग्राफी कोर्स निःशुल्क कराया जाएगा। ट्रस्ट अध्यक्ष श्री रामजी लाल वर्मा ने समारोह के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर उपस्थित सभी के सहयोग के लिए आभार प्रदर्शित किया।

– रवि कांत वर्मा, मंत्री

माँ वैष्णों देवी पदयात्रा सेवा समिति द्वारा भण्डारा आयोजित

माँ वैष्णों देवी पदयात्रा सेवा समिति, टोंक फाटक, जयपुर की ओर से 4 सितम्बर, 2022 को 32वां विशाल वार्षिक सम्मान समारोह एवं भंडारा, बृजवाटिका रिसोर्ट, महेश नगर, जयपुर में आयोजित किया गया। समिति के संस्थापक नवरतन राजोरिया ने बताया कि हर वर्ष सर्वधर्म सद्भावना के उद्देश्य व देश में अमन-चैन की भावना के साथ यह माँ के धाम की पैदल यात्रा की जाती है। 8 जुलाई 2022 को यात्रा रवाना हुई। संस्था के महामन्त्री श्री राजेन्द्र प्रसाद जूनवाल ने बताया कि यात्रा में लगभग 100 पद यात्री थे एवं 151 महिला कलश यात्रियों एवं साधु सन्तों सहित बैण्ड बाजे के साथ रवाना होकर हरियाणा, पंजाब, होते हुए 27 दिनों में मॉ वैष्णों देवी जम्मू के श्री चरणों में सकुशल पहुंच कर 6 अगस्त, 2022 को जयपुर पहुँचे।

सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुए। तत्पश्चात श्री मोहन बालोदिया एण्ड पार्टी द्वारा भजन संध्या आयोजित हुई एवं पदयात्रियों एवं भामाशाह का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री बाबूलाल जी ब्याडवाल अध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, श्रीमान रामप्रकाश मारवाल सम्पादक 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका, श्री शरद शर्मा अध्यक्ष खोले के हनुमान पदयात्रा समिति, श्री रामधन देवतवाल मन्त्री मास्टर भौंरी लाल ट्रस्ट, श्री राजकुमार कुमावत समाज सेवी लालचन्दपुरा हाथोज, श्रीमान अर्जुन जी कुमावत महेश नगर, श्रीमती अशोक देवी सिंघल, सांभर स्वीट, श्रीमान मगन लाल राजोरिया श्री विजय बालोदिया समाजसेवी, बजरंग सिंह चौहान, श्रीमान कैलाश जी बडीवाल मौजूद रहे। भण्डारें में लगभग 1100 भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेन्द्र प्रसाद जूनवाल ने किया।

बाबा रामदेव महोत्सव मनाया गया

5 सितम्बर, 2022 को कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर टोंक फाटक क्षेत्र जयपुर द्वारा विनोबा बस्ती बरकत नगर, जयपुर में स्थित बाबा रामदेव मंदिर में भक्ति भाव से लोक देवता रामदेवजी का महोत्सव मनाया तथा भोग एवं आरती की गई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष बाबूलाल ब्याड़वाल, मंत्री रामप्रकाश मारवाल, उपाध्यक्ष नीतू गैदर, संगठन मंत्री ईश्वर लाल लोठ्या, प्रचार मंत्री विजय मनेठिया सहित अनेक भक्तगण एवं समाजबंधु उपस्थित थे।

समाज को संगठित करना आज की आवश्यकता : युधिष्ठर कुमावत

- **राष्ट्रीय अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने किया अजमेर-जयपुर संभाग का दौरा**
- **रायला, विजयनगर, किशनगढ़, जयपुर, चौमूं, श्रीमाधोपुर में जगह-जगह अभिनंदन**

समाज को संगठित करना आज की आवश्यकता है, भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा समाज की इकाई के रूप में काम कर रही है। राष्ट्रीय जनगणना अभियान और सदस्यता अभियान में गांव-गांव कुमावत समाज के सदस्यों को जोड़ने का काम किया जा रहा है। यह बात भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत ने जयपुर संभाग में विभिन्न कार्यक्रमों में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि संगठित समाज से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने समाज जनों को राष्ट्रीय जन गणना व सदस्यता अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि महासभा की स्थापना के 76 वर्ष वर्ष को हिरक जयन्ती के रूप में देशभर मनाया जा रहा है। जनजागरण के लिए राष्ट्रीय रैली भी निकाली जाएगी। महासभा को गांव-गांव ढाणी-ढाणी पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा करते हुए समाज ने जो जिम्मेदारी की पगडी बांधी है उसे निभाने का हर संभव प्रयास करेंगे।

श्रीमाधोपुर में आयोजित अभिनंदन समारोह में समाज की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठर कुमावत, राष्ट्रीय महामंत्री सूरजमल अडानिया, जनगणना मंत्री हरिसिंह घटेलवाल, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संदीप कुमावत, राज्य प्रतिनिधि भंवरलाल सुरास, राष्ट्रीय प्रतिनिधि गणेशलाल कुमावत का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्रीमाधोपुर की कुमावत क्षत्रिय समाज समिति की ओर से आयोजित अभिनन्दन समारोह में इन सभी का माला एवं साफा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। संचालन समिति महामंत्री तनसुख कुमावत ने किया।

चौमूं रेलवे स्टेशन रोड पर रविवार को ''क्षत्रिय कुमावत समाज एकता संस्थान'' के तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में भी भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत व उनकी टीम का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत ने कहा कि सम्मान करने से प्रतिभाओं का गौरव बढ़ता है। ऐसे आयोजनों से क्षेत्र में छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलता है। इस अवसर पर 300 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक जोराराम, चेतन धुंधारिया, ललित तुनवाल, आरपीएस प्रभुदयाल कुमावत, रामस्वरूप कुमावत, डॉ. सुनीता कुमावत, डॉ. अशोक मामोडिया, क्षत्रिय कुमावत एकता संस्थान के अध्यक्ष ओमप्रकाश, महामंत्री लालचंद, कोषाध्यक्ष रामेश्वर मामोडिया, विकास संस्थान के अध्यक्ष शंकरलाल मामोडिया, छोटीलाल जलिंद्रा, बोदूराम रामगोपाल मारवाल, साधूराम कुमावत आदि थे।

जयपुर में 'कुमावत प्रगति' ट्रस्ट की मासिक पत्रिका 'कुमावत इंडिया' के प्रकाशन के पांच वर्ष पूर्ण होने पर 28 अगस्त, 2022 को विशेषांक का विमोचन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत ने 'कुमावत इंडिया' परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सूरजमल अडानिया, हरिसिंह घटेलवाल, संदीप कुमावत, भंवरलाल कुमावत, गणेश कुमावत सहित चेतन धुन्धारिया, पाली विधायक जोराराम, पूर्व विधायक नवरत्न राजोरिया, रामेश्वर बम्बोरिया, कुमावत पत्रिका ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश कुमावत, सुरेन्द्र नागा, हेमचन्द खडगटा, रामप्रकाश, सी.एम. कुमावत, भारती तोंदवाल, लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल आदि थे।

नीन्दड़ में शिवदयाल धुंधारिया, छोटे लाल जलिन्द्रा, मोहन लाल घोड़ेला, सुरेश खोराणियाँ, बनवारीलाल धुन्धारिया, भगवानसहाय, बलराम खोराणियां, माली राम कुमावत, कालूराम कुमावत, गोपाल कुमावत, जगदीश कुमावत, बाबूलाल कुमावत, रामकिशन कुमावत आदि ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व पदाधिकारीगणो का स्वागत किया।

जयपुर मानसरोवर में प्रेमजी मारोठिया, गोपाल लाल कुमावत, सोहनलाल कुमावत, सरदारमल पटेल, वेद प्रकाश, प्रकाश तूनवाल, प्रेमचन्द्र वर्मा, अर्जुनलाल, संजय कुमावत, मनमोहन कुमावत, प्रमोद कुमावत आदि ने अभिनंदन किया।

किशनगढ़ में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा की महिला एवं बाल विकास मंत्री पार्वती अशोक किरोड़ीवाल के निवास पर संगठन गतिविधियों पर चर्चा की गई।

विजयनगर में संजय कुमावत मुन्दणिया, बृजमोहन दैतवाल आदि से वार्ता पर संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

रायला में गोपाल सरवा, सान्वरमल, ओम प्रकाश कुमावत, गोपाल कुमावत, बजरंग लाल, घनश्याम, मोहनलाल घो ?ला, शिवलाल, कैलाश, धर्मीचन्द्र सहित बागा का खे ?ा, सरवा, देवला आदि में भी समाज जनों ने स्वागत किया।

मध्यप्रदेश में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा हुआ। वहां प्रांतीय कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे व शपथ ग्रहण कराई गई। जोन अध्यक्ष लीलाधर दोराया व महामंत्री दिलीप टिकोदिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया।

किडनी ऑपरेशन हेतु 51000 रुपए की सहायता दी

क्षत्रिय कुमावत समाज एकता संस्थान चौमूं परिक्षेत्र की कार्यकारिणी के द्वारा दिनांक 17.9.22 को श्री सोहनलाल आसीवाल निवासी गोविन्दगढ़ को किडनी फेलियर होने पर ऑपरेशन हेतु 51,000 रुपए की सहायता दी गई।

इस अवसर पर संरक्षक श्री छोटी लाल जलिन्द्रा, अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश मामेडिया, महामंत्री रामगोपाल मारवाल, मंत्री लालचन्द आसीवाल, महामंत्री महासभा रामस्वरूप मारवाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष अजीत बारावाल तथा अन्य समाजजन एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। मरीज के पिता श्री कैलाश कुमावत ने समाज का आभार व्यक्त किया।

आवश्यक सूचना

'कुमावत इंडिया' पत्रिका का आगामी अंक दिवाली विशेषांक के रूप में प्रकाशित होगा। समाजजन दिवाली शुभकामना का संदेश मात्र 200 रुपए देकर इस पत्रिका में मय फोटो लघु विज्ञापन दे सकते हैं। व्यवसायीगण भी दिवाली पर्व पर विज्ञापन 10 अक्टूबर तक पत्रिका में प्रकाशनार्थ भिजवाने का कष्ट करें।

– सम्पादक

2 अक्टूबर को सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा का रक्तदान शिविर

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की विद्याधर नगर, जयपुर इकाई के तत्वावधान में श्री रामेश्वर बम्बोरिया महासभा अध्यक्ष के जन्मदिन पर भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन दूरबीन बाग, सिरसी मोड़, सिरसी, जयपुर पर आयोजित किया जा रहा है। रक्तदाताओं को संस्था की ओर से हैलमेट दिए जाने की घोषणा की गई है। रक्तदान, जीवन दान है। संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन सराहनीय कदम है।

प्रवासी कुमावत क्षत्रिय समाज समिति उदयपुर का वार्षिक सम्मेलन व सम्मान समारोह

उदयपुर। प्रवासी कुमावत क्षत्रिय समाज समिति की ओर से बरवासन माताजी मंदिर क्षेत्र में वार्षिक समारोह कर स्नेह मिलन कार्यक्रम किया गया। इस अवसर समाज के सदस्यों ने सपरिवार विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। बरवासन माताजी की विशेष आरती दर्शन के बाद परिचय सत्र में पारिवारिक जानकारी देते हुए समाज के विकास पर चर्चा की। मंदिर के आसपास स्थित तालाब व वन क्षेत्र का भ्रमण किया गया। इसके बाद समाज के 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ सदस्य परमेश्वरलाल मंडावरा, फूलचंद सिरसवा, गुलाबचंद आसीवाल, गीतादेवी, गुलाबदेवी, भगवती देवी, गल्कू देवी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर युवा, बच्चे व महिलाओं ने विविध खेल गतिविधियों में भाग लिया। समिति सचिव संदीप कुमावत का भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता बनने पर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र सिंह कुमावत ने किया। समिति अध्यक्ष हरीश आसीवाल ने धन्यवाद दिया।

दिलीप चौधरी विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

साँवेर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी, भारतीय जनता पार्टी के इंदौर जिला उपाध्यक्ष श्री दिलीप जी चौधरी को साँवेर नगर परिषद में साँवेर विधायक व मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम जी सिलावट ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सन्दीप चंगेड़िया, नेमीचंद कारवाल, सचिन कारवाल, सुनील धनेरिया,राजकुमार बोरा सहित समाज के वरिष्ठ जनों ने शुभकामनाएं दी।

महेश कुमावत सहायक आचार्य चयनित

राजस्थान लोक सेवा आयोग से महेश कुमावत कुदाल सहायक आचार्य (चित्रकला) के पद पर चयनित हुए हैं। ये अभी किशनगढ़ में राजकीय स्कूल में व्याख्याता (चित्रकला) के पद पर पदस्थापित हैं।

खेल प्रतियोगिता में कुमावतों ने जीते पदक

राजस्थान विद्युत निगमों द्वारा विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता–2022 में बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉलीवाल, टेनिस एवं दौड़ का आयोजन हुआ, जिसमें समाज के विभिन्न खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीते। बैडमिंटन में महेन्द्र कुमावत विजेता रहे। 1000 मीटर दौड़ में राखी कुमावत, बॉलीवाल में लालचन्द कुमावत, कमल किशोर कुमावत, महेश कुमावत उपविजेता रहे। इन खिलाड़ियों को श्री टी. रविकांत अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक विद्युत निगम द्वारा ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया। समाज के सफल खिलाड़ियों को बधाई।

सीताराम नागा अध्यक्ष बने

27 अगस्त को श्री राधाकृष्ण भगवान मंदिर परिसर में कुमावत समाज नावां की साधारण सभा आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से सीताराम नागा को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। श्री नागा जलदाय विभाग से सेवानिवृत्त तथा अनेक वर्षों से सामाजिक कार्यों में संलग्न हैं। इनके पिता स्व. श्री खेताराम नागा पहले 19 वर्षों तक समाज के अध्यक्ष पद पर सुशोभित रह चुके हैं। आपकी बहु श्रीमती संजू नागा वर्तमान में नगरपालिका नावां में भाजपा पार्षद है। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने श्री नागा को बधाई दी तथा निवर्तमान अध्यक्ष को माला एवं साफा बंधवाया।

महामारी में पाया अवसर

टीम चेतन धुंधारिया का नाम आते ही कोरोना महामारी का वह कालखण्ड सहसा याद आ जाता है जिसमें बड़े-बड़े दिग्गज धराशाही हुए या फिर काल के क्रूर हाथों ने उन्हें हम से छीन लिया। उस वीभत्स समय में भी जिसने असहाय लोगों को भोजन के लिए नहीं जूझने दिया तथा सूखा राशन, हरी सब्जियाँ, सेनेटाइजर, मास्क, दवाईयाँ, खाने के पैकेट जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाये, वह और कोई नहीं इस टीम के संस्थापक **चेतन कुमावत (धुंधारिया)** है। उनके अथक परिश्रम से 3 वर्ष में एक सशक्त टीम चेतन धुंधारिया तैयार हुई जो आज दृढ़ता से हर क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित कर रही है। सरकार व सामाजिक संस्थाओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में इस टीम के क्रियाकलापों व सामाजिक उत्थान के कार्यों के लिए अनेक सम्मानों से नवाजा जा चुका है। श्री चेतन कुमावत (धुंधारिया) भाजपा में ओबीसी मोर्चा के जयपुर शहर जिलाध्यक्ष नियुक्त किये गये। टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल इनकी कार्यकारिणी में जिला मंत्री के पद पर नियुक्त किए गए हैं।

सवाई मानसिंह चिकित्सालय में **क्षय रोग के निवारण हेतु** टीम चेतन धुंधारिया ने अपनी सशक्त भूमिका निभाते हुए टीबी रोगियों के लिए पोषणयुक्त आहार, मेडिकल किट व अन्य सामग्री समय-समय पर उपलब्ध करवाती रही है। क्षय रोग से पीड़ित व्यक्तियों में हीनता की भावना न आये इसके लिए समय-समय पर टीम द्वारा संबल देने के लिए अनेक स्तरों पर कार्य किये जा रहे हैं। हाल ही में इस टीम को राजभवन में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र द्वारा **निक्षय मित्र** सम्मान प्रदान किया गया है, जिसे टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने ग्रहण किया।

हम उम्मीद करते हैं कि श्री चेतन कुमावत के नेतृत्व मे यह संपूर्ण टीम भविष्य में भी समाज की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए नित्य नेक कार्यों को यूं ही जारी रखेगी। इस टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना सहित.....

-भारती तोंदवाल, सचिव 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

अखिल राज्य ट्रेड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन

रूपसिंह कुमावत उपाध्यक्ष बने

अखिल राज्य ट्रेड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आरतिया) के उपाध्यक्ष पद पर श्री रूपसिंह कुमावत को मनोनीत किया गया है। संस्था के मुख्य संरक्षक आशीष सराफ ने बताया कि संस्था की प्रतिष्ठा, उद्देश्यों तथा कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए व्यापार व उद्योग जगत के क्षेत्र में दुकानदारों, व्यापारियों तथा उद्योगपतियों के हितार्थ कार्य करते हुए श्री रूपसिंह कुमावत संस्था की प्रतिष्ठा एवं प्रगति में अपना सहयोग देंगे। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री रूप सिंह कुमावत को बधाई।

5 अक्टूबर को 'एक शाम श्याम सांवरे के नाम'

श्री श्याम प्रेमी परिवार जयपुर के तत्वावधान में "एक शाम श्याम सांवरे के नाम" का आयोजन 5 अक्टूबर, 2022 सायं 3 बजे से ओमकार मैरीज गार्डन, अक्षरधाम के सामने, संजीवनी हॉस्पिटल, बिग बाजार वाली रोड, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर पर आयोजित की जाएगी। इसमें छप्पन भोग, इत्र वर्षा, अखण्ड ज्योति तथा पुष्प वर्षा विशेष आकर्षण का केन्द्र होगी। आमंत्रित गायक कलाकारों में इति आकाश राजपूत, अमित नामा, जगमोहन शर्मा, मनोज शर्मा, अनामिका शर्मा, गौरव सैनी, प्रथम कुमावत तथा मुकुल सैनी हैं। श्री श्याम प्रेमी परिवार ने सभी को आमंत्रित किया है।

धर्मशाला चौथ का बरवाड़ा विकास समिति की बैठक हुई

सवाई माधोपुर। बरवाड़ा के क्षत्रिय कुमावत समाज व धर्मशाला विकास समिति की गत दिनों बैठक श्री रामपाल खूंखवाल की अध्यक्षता में हुई। कोषाध्यक्ष ने आय-व्यय को अनुमोदनार्थ रखा। समिति अध्यक्ष भंवरलाल कुमावत ने बताया कि पीछे के प्लाट का बंजारों से विवाद है, इस बारे में समझौता प्रक्रिया कर ली जावे। धर्मशाला समिति को 1 घंटे में 10 लाख रुपए विकास हेतु सहयोग मिला। बैठक में जयपुर, टोंक, सवाईमाधोपुर, बूंदी आदि से समाजबंधुओं ने भाग लिया।

नेमीचंद कारवाई प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत

नेमीचंद कारवाल वर्ष 1991 में शासकीय हिंदी माध्यमिक विद्यालय साँवेर के छात्र परिषद में सांस्कृतिक सचिव, उसके बाद वार्ड 13 में युवक कांग्रेस अध्यक्ष फिर नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष के पद रहे। वर्ष 2019 को भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के इंदौर जिला उपाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) के पद रहे।

इनकी सक्रियता को देखते प्रदेश अध्यक्ष लीलाधर जी दौराया व प्रदेश महामंत्री श्री दिलीप जी टिकोलिया द्वारा इनकी नियुक्ति प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में की गई, बधाई।

कविश कुमावत ने कराटे चैम्पियनशिप जीती

इंटरनेशनल कराटे चैम्पियनशिप तमिलनाडु में कविश कुमावत द्वारा रजत एवं कांस्य पदक जीतकर समाज का नाम रोशन किया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आपको बधाई एवं शुभकामनाएं।

उवर्शी बालोदिया की कलम से...

28 अगस्त, 2022 को राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक पत्रिका 'कुमावत इंडिया' ने सफलत पांच वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें पत्रिका के विशेषांक का विमोचन, पिछले पांच वर्षों का संक्षिप्त विवरण व लेखा-जोखा, समाज की विशिष्ठ प्रतिभाओं तथा उभरती युवा प्रतिभाओं का सम्मान, समाज के अति विशिष्ट महानुभावों का स्वागत तथा सम्मान व इसके पश्चात स्नेह भोज का आयोजन रखा गया। समाज के चुनिन्दा गणमान्य तथा विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुझे भी कार्यक्रम में उपस्थित होने तथा सम्मानित होने का अवसर मिला जिसके लिए 'कुमावत इंडिया' परिवार का बहुत-बहुत धन्यवाद। व्यवस्थापक मण्डल की कार्यकुशल प्रबन्धन व्यवस्था से कार्यक्रम बहुत ही सुचारू, सुसज्जित व सभ्य रूप से सम्पन्न हुआ। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पांच वर्ष पूर्ण करने तथा उतरोत्तर लोकप्रियता व सफलता की ओर बढ़ने की खुशी में बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। सामाजिक पत्रिका चाहे कोई भी हो, वह समाज का आईना होती है, एक स्नेह सेतु होती है जो समस्त समाज बन्धुओं को एक मंच पर परस्पर अपनी विचारधारा साझा करने हेतु एकत्र करने का माध्यम बनती है। समाज से जुड़ी सभी जानकारियां तथा सूचनाएं हम सामाजिक पत्रिकाओं के द्वारा सरलता से प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक पुस्तक ज्ञान का भण्डार तथा सरस्वती का स्वरूप होती है। इसलिए पुस्तक का सम्मान तथा साक्षात विद्या की देवी का सम्मान समतुल्य है। समाज की पत्रिकाओं को लेकर कभी प्रतिस्पर्द्धा की भावना नहीं रखनी चाहिए। 'कुमावत इंडिया' का प्रारम्भ अगस्त 2017 से किया गया। तब से लेकर आज तक पत्रिका की लोकप्रियता में उत्तरोत्तर वृद्धि होती गयी तथा आज यह पत्रिका पूरे भारतवर्ष के कुमावत समाज बन्धुओं को एक सूत्र में पिरोने का एक सशक्त माध्यम बन गयी है। वर्ष 2017 में श्री सुरेन्द्र नागा, श्री सी.एम. कुमावत, श्री हेमचन्द खड़गटा व श्री रमेश गैदर ने पहल की तथा पत्रिका ट्रस्ट के गठन व मासिक पत्रिका के प्रकाशन का निर्णय लिया। वैसे तो इसके प्रारम्भ से लेकर आज तक पत्रिका को सफल बनाने की दिशा में अनेक व्यक्तियों का योगदान रहा है। सभी टीम मेंबर्स पत्रिका के लिए तन-मन-धन से मेहनत करते रहे हैं। मगर मैंने अपने निजी अनुभवों के आधार पर सदैव यह महसूस किया है कि कुछ लोग ऐसे हैं कि जो न सिर्फ पत्रिका वरन् समाज की अन्य संस्थाओं के लिए भी बिल्कुल निस्वार्थ रूप से बहुत लगन तथा मेहनत से कार्य करते हैं और समाज सेवा के लिए हर समय समर्पित रहते हैं। ऐसा ही एक नाम है **श्री रमेश गैदर**। इन्होंने वाणिज्य कर विभाग में डिप्टी कमीश्नर स्टेट टैक्स के पद पर रहते हुए समाज सेवा के दायित्व को भी अपनाया तथा समाज के विकास में अपनी अग्रणी भूमिका निभायी। ये सेवानिवृत्ति के पश्चात भी निरन्तर समाज सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं। ये कुमावत प्रगति ट्रस्ट (कुमावत इंडिया पत्रिका) एवं कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर के अध्यक्ष हैं। मैंने सदा इन्हें अपने पद के दायित्वों का निर्वाह पूरी लगन व मेहनत से करते देखा है तथा विषम परिस्थितियों में भी इन्होंने हार नहीं मानी व हर चुनौती का कुशलता पूर्वक सामना कर सफलता हासिल की। दूसरी शक्सियत जो मुझे सदैव प्रभावित करती हैं वह है **श्रीमती भारती तोंदवाल**, जो राजकीय विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। परिवार तथा नौकरी की जिम्मेदारियों को निभाने के बाद भी इतना जज्बा इनमें कहां से आता है कि ये समाज में इतनी क्रियाशील रहती हैं। इनके बारे में बता दूं कि ये मालवीय नगर समिति में उपाध्यक्ष, कुमावत प्रगति ट्रस्ट (कुमावत इंडिया पत्रिका) की सचिव तथा कुमावत इंडिया महिला मण्डल की अध्यक्षा हैं। इनकी मेहनत तथा समाज के उत्थान तथा अपनी समिति के विकास के लिए इनकी सकारात्मक भावना मुझे सदैव प्रेरित करती है। उपरोक्त दोनों ही व्यक्तित्व मेरे प्रेरणा स्रोत इसलिए रहे हैं क्योंकि इन्हें मैंने सदैव निजी हितों से परे समाज के लिए समर्पित देखा है, जबकि कुछ लोग समाज सेवा की भावना से कम तथा प्रसिद्धि व लोगों की नजरों में उजागर होने की भावना से अधिक कार्य करते हैं। वहीं हमारे समाज में ऐसे भी लोग हैं जो समाज की भलाई की दिशा में कभी सोच ही नहीं पाए हैं। आज भी हमारे समाज में ऐसी विकृत मानसिकता के लोग भरे पड़े हैं जिनकी विचारधारा अन्य व्यक्ति जो मेहनती हैं व समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं, उनकी जड़े खोखली करने में अपनी शान समझना रही है। मैंने अक्सर देखा है कि विकसित समाजों के लोगों की सोच तथा कार्यप्रणाली बहुत उन्नत होती है। उदाहरण के तौर पर गुप्त दान की प्रथा को ही ले लीजिए। हमारे समाज में यदि दानदाताओं की सूची खंगाली जाए गुप्त दानदाताओं की मात्रा नगण्य ही पायी जाती है। बल्कि स्थिति यह है कि लोग जेब से पैसा बाद में निकालते हैं, पहले अपने नाम का हल्ला मचाते हैं। यहां तक कि थोड़ा सा चंदा देकर लोग सामाजिक संस्थाओं पर जो कि पूर्णतया सामाजिक सम्पत्ति है, अपने नाम की पट्टिका लगा लेते हैं मानो उनका निजी मकान हो। ऐसे लोग किस भावना से कार्य करते हैं यह मेरी समझ से परे है। जिस दिन हमारे समाज में भी गुप्त दान की प्रथा प्रारम्भ हो जाएगी उस दिन समाज का वास्तव में विकास हो जाएगा। सामाजिक सम्पत्ति पर समाज के प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार समान रूप से होता है। ऐसे अनैतिक कृत्य कुछ समय की खुशी दे सकते हैं मगर आने वाले समय में आपकी अवहेलना, तिरस्कार तथा आलोचना सुनिश्चित है। ऐसा नहीं कि हमारे समाज में मेहनती, ईमानदार तथा समाज के प्रति समर्पित लोगों की कमी है। आवश्यकता सही दिशा निर्देश तथा सहयोग की है। हमारे युवा वर्ग ने आज लगभग सभी क्षेत्रों में अपने समाज

का नाम रोशन कर नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं फिर चाहे बात खेलकूद की हो या शिक्षा, तकनीकी, कला या राजनीति की। ऐसे में उम्रदराज समाजविज्ञों से मेरा कहना है कि इन युवाओं का समाज के प्रति भी रुझान बनाएं तथा इन्हें अपने मार्गदर्शन में कार्य करने दें। अपने अनुभव युवा वर्ग के साथ साझा करते हुए उन्हें सही दिशा तथा दशा का ज्ञान दें। सामाजिक पदों तथा कार्यकलापों में अधिक से अधिक युवाओं को आगे लाने की कोशिश करें। जो युवा राज्य, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी क्षेत्र में समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं उन सभी की पूरे तन-मन-धन से सहायता तथा सहयोग करें। समाज का नाम जहां रोशन होता है वहां हम सभी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। मुझे सदैव ही यह कहते हुए गर्व होता है कि ''कुमावत'' मेरा समाज है, मेरा परिवार है मगर बहुत दु:ख होता है जब कभी उन्नत समाजों से अपने समाज की तुलना की जाती है तो तुलनात्मक धरातल पर हमारा समाज बहुत पीछे रह जाता है। कर्मठ सेवकों की कार्यशैली में कहीं त्रुटी नहीं है तो वो कौनसे कारक हैं कि इतनी उन्नति व प्रगति के बावजूद हम विकसित नहीं हो पाए यह समझना बहुत जरूरी है। इसका कारण हमारी अविकसित विचारधारा है। जिस दिन हम प्रतिस्पर्द्धा, द्वेष, आलोचना, निन्दा, तिरस्कार, ईर्ष्या जैसे भावों को त्यागकर समाज से प्रेम करेंगे, समाज बन्धुओं से, सामाजिक इकाइयों से, सम्पत्तियों से, समारोहों से, क्रियाकलापों से प्रेम करेंगे, दूसरों की भावनाओं का आदर करेंगे, आपस में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगे उस दिन निश्चित रूप से हमें विकसित समाजों की श्रेणी में आने से कोई नहीं रोक सकता। मेरी लेखनी मेरे निजी अनुभवों पर आधारित होती है। हो सकता है आपके विचार मेरे विचारों से मेल नहीं खाएं मगर मेरा उद्देश्य किसी की भावनाओं को आहत करना नहीं है। मैं हमेशा वहीं बात लिखूंगी जो समाज के हित में होगी।

सूचना

जमाबन्दी में कुमावत के स्थान पर प्रजापति/ प्रजापत/ कुम्हार दर्ज होने पर राजस्व रिकॉर्ड में जाति '**कुमावत**' दर्ज करने के सम्बन्ध में राजस्थान सरकार के राजस्व (ग्रुप-6) विभाग ने एक पत्र क्रमांक प. 8(14)राज.-6/2022 दिनांक 21.9.2022 जारी कर समस्त जिला कलक्टरों को निर्देश जारी किए हैं।

जिन समाजबंधुओं के रिकॉर्ड में यह गलती है वह इस पत्र का संदर्भ देते हुए अपने राजस्व रिकॉर्ड में **कुमावत** शब्द दर्ज कराने की कार्यवाही कर सकते हैं।

5 वर्षीय विशेषांक पाठक प्रतिक्रिया

- 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा सफलतापूर्वक पांच वर्ष पूर्ण किए जाने के उपलक्ष्य में विशेषांक प्रकाशित किया गया जो वास्तव में पत्रिका के लिए 'शक्ति स्तम्भ' है। इसमें पत्रिका के विगत पांच वर्षों का लेखा-जोखा, प्रकाशित रचनाओं, जानकारियों एवं सूचनाओं के संक्षिप्त विवरण का जिस कुशलता से समावेश किया गया है, वह प्रशंसनीय है। विशेषांक पुस्तिका बहुत ही आकर्षक एवं व्यवस्थित है एवं मुख्य पृष्ठ भी काफी सुसज्जित है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार को उनकी मेहनत एवं कुशल संचालन तथा पत्रिका की सफलता के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं तथा बधाई।

  - उर्वशी बालोदिया

- 'कुमावत इंडिया' पत्रिका पढ़कर मुझे अपने समाज पर गर्व की अनुभूति हुई। भारत में फैले हुए कुमावत समाज से संबंधित समस्त प्रकार की जानकारियां एकत्र कर इस पुस्तक के माध्यम से समाज तक पहुंचकर आपने बहुत सराहनीय कार्य किया है, जिसकी में हृदय से प्रसंशा करता हूं। मेरी यही कामना है कि हमारा समाज अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को फिर से प्राप्त करें एवं निरंतर प्रगति के पथ पर बढ़े।

  - अर्जुन कुमावत, आयकर कॉलोनी, जोधपुर

- कुमावत इंडिया पत्रिका के पांच वर्ष पूर्ण होने पर प्रकाशित विशेषांक पढ़कर बहुत अच्छा लगा ...समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों के बारे में जानकारी अच्छी लगी ....विशेषांक अत्यंत ज्ञानवर्धक है ....कुमावत इंडिया टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

  - हेमंत कुमावत, कवि

बढ़ते रहना

सच स्वाभिमान की स्याही से,
तुम कलम सदा भरते रहना।
'कुमावत इंडिया' कदम कदम,
निशदिन यूं ही बढ़ते रहना।
नव भाव जगा निज गौरव का,
नव मंत्र फूंक कर चेतनता,
प्रगति सहकार सफलता के,
प्रतिमान नये गढ़ते रहना।
जल ठहर गया जो एक जगह,
है मसल पुरानी सड़ जाता,
नूतन भावों का दरिया बन,
अविचल अविरल बहते रहना।
जो खेंच लकीरें बैठ गया,
वो जड़ जंगम कहलाता है,
चल सदा समय के साथ साथ,
नव साँचे में ढलते रहना।
'चंचल' है डगर नहीं आसां,
मुश्किलें मुक़ाबिल आएंगी,
नूरी रख नेक इरादों की,
नित नेक राह चलते रहना।।

प्रहलाद कुमावत 'चंचल'

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 5 वर्ष पूर्ण होने पर विशेषांक विमोचन एवं सम्मान समारोह

श्री चेतन धुंधारिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

अतिथिगण

सम्मानित होने वाले समाजजन

समारोह में पधारे समाजजन

मुख्य अतिथि श्री चेतन धुंधारिया का स्वागत

अध्यक्ष श्री शुभकरण जी का स्वागत

श्री जोगाराम कुमावत विधायक का स्वागत

श्री रामेश्वर बम्बोरिया का स्वागत

श्री विमल कुमावत का स्वागत

श्री नवरतन राजोरिया पूर्व विधायक का स्वागत

श्रीमती मधु कुमावत प्रदेश मंत्री भाजपा का स्वागत

श्री राजेश धुंधारिया पार्षद का स्वागत

श्री मनोज सिंघनवाल व्यवसायी का स्वागत

श्री राजेश बालोदिया पार्षद का स्वागत

महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री युधिष्ठिर कुमावत का स्वागत

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 5 वर्ष पूर्ण होने पर विशेषांक विमोचन एवं सम्मान समारोह

समारोह में पधारे समाजजन

पांच वर्षीय विशेषांक का विमोचन

श्री बनज कुमार 'बनज' राष्ट्रीय कवि का सम्मान

श्री नाथूलाल वर्मा का सम्मान

श्री राजेन्द्र खोरानिया का सम्मान

श्री हेमन्त कुमावत कवि का सम्मान

श्री रामप्रसाद पत्रकार, ब्यावर का सम्मान

डॉ. पी.एस. कुमावत का सम्मान

श्री मोहन बालोदिया गायक का सम्मान

रश्मि बालोदिया गायिका का सम्मान

डॉ. आकाश मारोड़िया का सम्मान

स्वामिनी सेवा संस्था का सम्मान

श्री सुरेन्द्र लाम्बा एडवोकेट का सम्मान

श्री माधव बालोदिया आर्टिस्ट का सम्मान

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 5 वर्ष पूर्ण होने पर विशेषांक विमोचन एवं सम्मान समारोह

उवर्शी बालोदिया लेखिका का सम्मान

श्री जयकिशन सोकिल समाजसेवी का सम्मान

श्री नरेन्द्र वर्मा समाजसेवी का सम्मान

श्रीमती आशा कुमावत बेटलिफ्टर का सम्मान

राज ब्लॉक्स के संचालकों का सम्मान

जय सिंह गुडीवाल एवं खेमचन्द खड़गटा का सम्मान

धर्म कुमावत संयुक्त सचिव राज. वि.वि. का सम्मान

चारू कुमावत लोगो डिजाइनर का सम्मान

श्री प्रदीप जैन पत्रिका डिजाइनर का सम्मान

श्री बाबूलाल ब्याड़वाल बरकत नगर अध्यक्ष का सम्मान

श्री श्रवण कुमावत महेश नगर मण्डल का सम्मान

प्रथम गुडीवाल का सम्मान

अतिथिगणों क सम्बोधन

स्नेह भोज का चित्र

डूंगर राम गेदर, शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

जयपुर, 19 सितंबर। शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के मनोनीत अध्यक्ष श्री डूंगर राम गेदर ने आज विधि विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ उद्योग भवन स्थित अपने कक्ष में अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

श्री गेदर ने कहा कि शिल्प एवं माटी कला बोर्ड का गठन, कला के संरक्षण व संवर्धन के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि कला व कलाकारों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। गौरतलब है कि फरवरी माह में श्री गेदर को शिल्प एवं माटी कला बोर्ड में उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया था। इस आदेश के अधिक्रमण में शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के मेमोरण्डम ऑफ एसोसिएशन के नियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उन्हें हाल ही अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

पदभार ग्रहण करने के अवसर पर राजस्थान पर्यटन निगम के चेयरमैन श्री धर्मेंद्र राठौड़, आपदा प्रबंधन मंत्री श्री गोविंद राम मेघवाल, जनअभाव अभियोग समिति के अध्यक्ष श्री पुखराज पाराशर, केश कला बोर्ड अध्यक्ष श्री महेंद्र गहलोत, पचपदरा विधायक श्री मदन प्रजापत, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका से अध्यक्ष रमेश गैदर, श्री सी एम कुमावत व श्री रामप्रकाश एडवोकेट सहित जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया राजेश कुमावत पार्षद का जन्मदिन

नर्बदेश्वर महादेव मंदिर सोडाला, जयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं व वार्डवासियों ने राजेश कुमावत (धुंधारिया) वार्ड 48 के पार्षद का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया। पूरे मंदिर परिसर को रंगबिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। सुबह से ही लोगों का बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजस्थानी परम्परा के अनुसार कुमावत का स्वागत किया। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व विधायक माननीय अरूण चतुर्वेदी व ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत की उपस्थिति में सैंकडों कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनके दीर्घायु होने की कामना की। पार्षद राजेश कुमावत को फूल मालाओं से लादकर उन्हें बधाई दी गई।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व विधायक माननीय अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि कुमावत ऊर्जावान कर्मठ जुझारू और वार्ड के लिए सदैव तत्पर रहने वाले जनप्रतिनिधि हैं। इस अवसर पर पार्षद धीरज शर्मा, पवन शर्मा, राहुल शर्मा, मंडल महामंत्री आनन्द शर्मा, जयसिंह कुमावत जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर, श्रवण कुमावत मंडल अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा महेश नगर, खेमचंद खडगटा उप कोषाध्यक्ष **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका, संजीव कुमावत प्रभारी राजस्थान कुमावत युवा शक्ति समिति, अशोक कुमावत, गुरूदयाल कुमावत, गोविन्द कुमावत स्वामिनी सेवा संस्था सोभागमल नरेन्द्र कुमावत, पिन्टू शर्मा, अर्पित शर्मा तथा अध्यक्ष शिव डूढलोद कॉलोनी विकास समिति सहित सैकडों की संख्या में सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

श्रवण कुमावत बने महेश नगर मंडल ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष

ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने श्रवण कुमावत को महेश नगर मंडल के ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष राघव शर्मा के निर्देशानुसार की है। पार्टी ने यह कमान कुमावत की कार्यकुशलता, सादगी और पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने पर सौंपी गई है। यह घोषणा होते ही मंडल में खुशी की लहर छा गई तथा कुमावत के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया।

श्रवण कुमावत ने जिलाध्यक्ष को माला पहनाकर आभार व्यक्त किया और कहा कि भाजपा मेरा परिवार है, मैं भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने लिए सदैव कार्य करता रहूंगा। इस अवसर जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने कहा कि कुमावत सामाजिक कार्यकर्त्ता, सरल स्वभाव, कर्मठ, जुझारू, युवा व ऊर्जावान व्यक्ति है, इनकी अध्यक्षता में भाजपा ओबीसी मोर्चा महेश नगर मण्डल और मजबूत होगा।

बुराइयों के खात्मे का पर्व है- दशहरा

भारतीय पर्व और त्योहार भारतीय सभ्यता और संस्कृति के दर्पण हैं, जीवन के श्रृंगार हैं, राष्ट्रीय उल्लास, उमंग और उत्साह के प्राण हैं। विभिन्नता की इन्द्रधनुषी आभा में एकरूपता और अखंडता के प्रतीक हैं और जीवन के अमृत-उत्सव हैं। त्योहार हमारी गौरवशाली विरासत, संस्कृति और परंपराओं का जश्न मनाने का एक खूबसूरत मौका है। इसलिए हमारे में देश में त्योहारों का विशेष महत्व है।

हर साल दशहरा पर्व अश्विन मास शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन मनाया जाता है। वैसे तो देशभर में दशहरा बहुत धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया जाता है लेकिन हिन्दु धर्म में यह त्योहार विशेष महत्व रखता है। पूरे देश में दशहरे के दिन रावण के पुतले को जलाने की परंपरा है। दशहरे का त्योहार भारतीय संस्कृति में वीरता व शौर्य का प्रतीक है।

हर साल हम रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतलों का दहन करके अपने भीतर रमण करने वाले राम रूपी चैतन्य आत्मा को सहेजने का संकल्प लेते हैं। किंतु हर बार हमारे अंत:करण का एक कोना पारस्परिक-सद्भाव, सहिष्णुता और क्षमाशीलता से वंचित रह जाता है। कोई न कोई बुराई हमारे भीतर दशानन की भांति नया आकार ले लेती है, और अंतर्मन में इन दशाननरूपी विषय-विकारों से संघर्ष शुरू हो जाता है। इसलिए दशहरा मनाने की परंपरा आज भी अनवरत जारी है।

हमारे मनीषियों व महापुरुषों ने रामराज्य की जो परिकल्पना की थी, उसका अंतिम लक्ष्य मनुष्य के अंदर के रावण रूपी बुराई को मारना है। किंतु हम भीतर के रावण का वध करने की बजाय बाहर के रावण का दहन करने के प्रति ज्यादा उत्सुक रहते हैं। असलियत में विजयादशमी एक ऐसे मर्यादित पौरुष का उत्सव है जो धर्मांधता व पाखंड का प्रतिरोध करे, जो निर्बल को संबल दे, जो त्याग व करुणा को जीवंत आधार प्रदान करे।

समाज के हर वर्ग, जाति और समुदाय को एकत्र करने व उससे सह-अस्तित्व स्थापित करने की बेजोड़ प्रेरणा भगवान राम से मिलती है। सत्ता के सुख का परित्याग व भ्रातृत्व जैसे भाव हर किसी को राम से सीखने चाहिए। भगवान राम का दृष्टिकोण व्यापक व सोच बहुआयामी है। हमारी संस्कृति बहुलवादी उत्सवधर्मिता की पोषक है। एकांगी दृष्टिकोण भारतीय संस्कृति का आधारभूत तत्व कभी नहीं रहा। इसलिए राम अपने शत्रु रावण की विद्वता को स्वीकार करते हैं और रावण से धर्म व राजनीति के गुण सीखने के लिए लक्ष्मण को उसके पास भेजते हैं।

अत: विजयादशमी के मेले का आयोजन अर्थपूर्ण तभी है, जब हमारी बंधुत्व-भावना, समन्वयशीलता व हाशिये पर पड़े लोगों के प्रति हमारी हमदर्दी दिखावटी नहीं हो- यानी कथनी व करनी में भेद नहीं हो। असल में विजयादशमी का पर्व समाज के उस वर्ग के लोगों के साथ भी प्रेम के निर्वहन का मौका देता है, जो किन्हीं कारणों से आज भी समाज की मुख्य धारा में शामिल नहीं हो पाए हैं। प्रेम के निर्वाह का यह संदेश भगवान राम ने शबरी के जूठे बेर खाकर समकालीन समाज को दिया था।

अज्ञानी के लिए यह दिन ज्ञान प्राप्त करने का दिन है, स्वार्थी के लिए यह दान करने का दिन है, अभिमानी के लिए यह विनम्रता का दिन है, क्रोधी के लिए यह क्षमा करने का दिन है और आध्यात्मिक उत्थान की अभिलाषा रखने वाले के लिए यह दिन साधना माध्यम से स्वयं को भौतिक, भावनात्मक व आर्थिक असंतुलन से मुक्त कर प्रकृति व संतुलन की ओर अग्रसर करने का दिन है।

हमारे देश में जितने भी त्योहार मनाए जाते हैं, उन सबके पीछे गहरा आध्यात्मिक संदेश छिपा है, जो हमारे जीवन को सशक्त बनाने में बहुत मदद करता है। दुर्भाग्य से आज हम वे संदेश भूलकर केवल बाहरी रस्मो रिवाजों तक ही सीमित रह गए हैं। दशहरा पर्व हमें संदेश देता है कि अगर कोई गलत कार्य कर रहा है तो उसका विनाश निश्चित है भले ही वह रावण जैसा महायोद्धा ही क्यों न हो। हम जानते हैं कि त्रेतायुग का रावण तो मर गया लेकिन कलयुगी रावण जैसे दहेज, नशा, भ्रष्टाचार, यौन उत्पीडन आदि आज भी हमारे समाज में प्रतिदिन बहुत तेज गति से बढ़ रहे हैं। आज ये सब कुरीतियां अपना पैर पसारते हुए घर-घर तक पहुंच चुकी हैं। दशहरे की सच्चाई क्या केवल इन रस्मों के पूरी होने तक है? या इस महापर्व के साथ कुछ विजय संकल्प भी जुड़े हैं? ये सवाल वैसे ही जलते-सुलगते रह जाएंगे। शायद ही किसी का मन इनका जवाब पाने के लिए विकल-बेचैन हो। अन्यथा अधिकतर लोगों की जिंदगी दशहरा की रस्में जैसे-तैसे पूरी करके फिर से अपने उसी पुराने ढर्रे पर लुढ़कने लगती है।

हम सब मिल-जुलकर एक साहस भरा संकल्प लें अपनी निज की और सामूहिक रूप से समाज की दुष्प्रवृत्तियों को मिटाने का, अनीति और कुरीति के विरुद्ध संघर्ष करने का, आतंक और अलगाव के विरुद्ध जूझने का। इस संकल्प में ही इस महापर्व की सच्ची सार्थकता है। इस साहसी संकल्प के अनुरूप व्रतशील जीवन जीकर ही हम यह प्रमाणित कर सकेंगे कि हम विजयादशमी को महापर्व का स्वरूप देने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के सच्चे भक्त हैं। इस विजय पर्व पर हम सभी को अपने जीवन व समाज से रावण रूपी दुष्प्रवृत्तियों को सदैव के लिए दहन करना होगा। तभी दशहरे के पावन पर्व की प्रासंगिकता सही अर्थों में सार्थक होगी।

- **जयसिंह कुमावत,** सह सम्पादक,
'कुमावत इंडिया' पत्रिका मो. 9461343432

रावण वध की रोचक जानकारी

- **राम ने दिव्यास्त्र से किया था रावण का वध**
- **मंदोदरी के कक्ष में छिपा था अस्त्र।**
- **राम-रावण युद्ध अश्विन शुक्ल तृतीया से दशमी तक चला।**

प्रभु श्रीराम सीता जी को लेने लंका गए तो रावण ने अपने संबंधियों और पुत्रों को युद्ध करने भेजा, लेकिन भगवान श्रीराम और रावण के बीच अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया से युद्ध आरंभ होकर दशमी तिथि तक चला। रावण भगवान शिव से वरदान प्राप्त होने के साथ ही साथ युद्ध कौशल और मायावी शक्ति का धनी था। उसे मारना असंभव नहीं तो आसान भी नहीं था।

लेकिन विभीषण ने प्रभु श्रीराम को बताया कि रावण को तभी मारा जा सकता है, जब उसकी नाभि पर प्रहार किया जाए। विभीषण ने एक दिव्यास्त्र के बारे में बताया कि रावण का अंत करने के लिए उस दिव्यास्त्र की आवश्यकता है, जो ब्रह्माजी ने रावण को वरदान के रूप में प्रदान किया था। रावण ने इस दिव्य धनुष को मंदोदरी के कक्ष में छुपाया हुआ था।

प्रभु श्रीराम और रावण के मध्य चले युद्ध में दो प्रकार के धनुष का जिक्र मिलता है। एक जो प्रभु श्रीराम का धनुष था, जिसे वह सदैव धारण करते थे, उसे कोदंड कहा जाता था, अर्थात् बांस का बना हुआ, यह धनुष बहुत अलौकिक था, इसे सिर्फ प्रभु श्रीराम ही धारण कर सकते थे। कहा जाता है कि इस धनुष से छोड़ा गया बाण अपने लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। लेकिन रामजी अपने धनुष का उपयोग तभी करते थे, जब बहुत आवश्यक हो। परंतु रावण के वध इस धनुष से नहीं किया गया था। रावण के वध के लिए एक विशेष धनुष की आवश्यकता थी।

जब प्रभु श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध होने लगा और रावण पर किसी अस्त्र का प्रभाव नहीं हो रहा था, रावण को मारना मुश्किल हो रहा था। तब विभीषण ने प्रभु श्रीराम को बताया कि रावण को मारने के लिए एक विशेष अस्त्र की आवश्यकता है, नहीं तो यह युद्ध ऐसे ही चलता रहेगा। यह अस्त्र ब्रह्मा जी ने रावण को वरदान की रूप में प्रदान किया है। जिसे महारानी मंदोदरी के कक्ष में छिपाया गया है। मुश्किल यह थी कि दिव्य धनुष को कैसे प्राप्त किया जाए? इसके लिए सबसे उपयुक्त हनुमानजी ही नजर आये, कारण कि वे बुद्धि-बल से परिपूर्ण थे और हनुमानजी पहले भी लंका हो आए थे।

हनुमान जी ने वृद्ध ब्राह्मण का वेश धारण किया और महारानी मंदोदरी के समक्ष पहुंच गए। वे प्रसन्नता से ब्राह्मणदेव के आदर सत्कार में लग गई। ब्राह्मण के वेश में आए हनुमानजी ने मंदोदरी से कहा कि विभीषण ने राम को उस विशेष दिव्यास्त्र के बारे में बता दिया है, जो आपके कक्ष में रखा है और जिससे रावण का वध किया जा सकता है। हनुमान जी ने कहा कि माते! आपको वह अस्त्र कहीं छिपा देना चाहिए। मंदोदरी यह बात सुनकर घबरा गई, और वह तुरंत उस स्थान पर गई जहां पर अस्त्र छिपाकर रखा गया था। उस समय हनुमान जी ने अपना वेष धारण कर लिया और वे मंदोदरी से वह दिव्यास्त्र छीनकर आकाश मार्ग से लौटे और और भगवान श्रीराम को यह दिव्य धनुष सौंप दिया। इसी दिव्यास्त्र से भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि कुंड पर प्रहार किया, जिससे रावण का अंत हो सका। इस तरह रावण का अंत उसके ही अस्त्र से हो पाया था।

नये सदस्य

5 वर्षीय सदस्य

5/142 श्री शंकर लाल कुमावत, खातीपुरा, जयपुर
5/143 श्री सोभागमल कुमावत, सांगानेर
5/144 श्री मोहन लाल भदानिया, सांगानेर
5/145 श्री रूप नारायण छापोल, सांगानेर
5/146 श्री महेश कुदाल, झोटवाड़ा, जयपुर
5/147 श्री कैलाश वर्मा, खातीपुरा
5/148 श्री चन्द्रपाल सिंह, मालवीय नगर, जयपुर
5/149 श्री श्रवण कुमार, पांचावाला, जयपुर
5/150 श्री प्रदीप कुमावत, खातीपुरा रोड, जयपुर
5/151 श्री महेन्द्र घोड़ेला, बापू नगर, जयपुर
5/152 श्री छिगन कुमावत, बैनाड़ रोड, जयपुर
5/153 श्री जितेन्द्र नोखवाल, प्रतापनगर, जयपुर
5/154 श्री रामसहाय कुमावत, प्रतापनगर, जयपुर
5/155 श्री किशन लाल धुंधारिया, झोटवाड़ा
5/156 श्री राजेन्द्र भोड्या, बैनाड रोड
5/157 श्री सीताराम मारोडिया, झोटवाड़ा
5/158 श्री मोहन लाल कुमावत, बैनाड़ रोड
5/159 श्री सुरेश कारगवाल, बैनाड रोड
5/160 श्री सतेन्द्र कुमर किरोड़ीवाल, स्वेज फार्म
5/161 श्री कैलाश बाबू कुमावत, सांगानेर
5/162 श्री नारायण लाल सिरस्वा, सांगानेर

10 वर्षीय सदस्य

10/212 श्री मूलचन्द भौंरोदिया, खातीपुरा रोड
10/213 श्री बाबूलाल कुमावत, मानसरोवर, जयपुर
10/214 श्री शंकर लाल वर्मा, जयपुर

संरक्षक सदस्य

सं/126 श्री हेमंत कुमार वर्मा, बापूनगर, जयपुर
सं/127 श्री सुरेश वर्मा, चेन्नई
सं/128 श्री विमल कुमावत चौमूं

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, सी-स्कीम
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलाद नोखवाल, सतनाम टाइल्स, हाड़ोता
वि/140 श्री घनश्याम खटूवाल, डोढ़सर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास

कुंडली में विवाह और मधुर दांपत्य के योग

शादी व्यक्ति के जीवन का एक अहम मुद्दा होता है और हर व्यक्ति चाहता है कि एक सुंदर और सुलझे हुए जीवन साथी के साथ में उसका मधुर दांपत्य जीवन व्यतीत हो। तो आज हम विवाह जैसे बेहद इंपॉर्टेंट टॉपिक पर कुंडली में विवाह के योग, मधुर दांपत्य के योग और आपका जीवन साथी कैसा होगा के योगों के बारे में ज्योतिष के नजरिए से बात करेंगे !

बात करते हैं कुंडली में 'प्रेम विवाह के योगों' की तो पुरुष की कुंडली में शुक्र ग्रह प्रेम वा शादी का कारक ग्रह होता है तो स्त्री की कुंडली में मंगल और गुरु ग्रह प्रेम व शादी के कारक ग्रह होते हैं।

- कुंडली में जब लग्नेश, पंचमेश, सप्तमेश और नवमेश का किसी भी प्रकार से परस्पर संबंध हो रहा हो तो जातक का प्रेम– उसके विवाह में परिणत होता है।
- ऐसे ही यदि लग्न कुंडली में प्रेम विवाह के योग आंशिक हैं और नवांश कुंडली में पंचमेश, सप्तमेश और नवमेश की युति हो रही है तो प्रेम विवाह की संभावनाएं काफी प्रबल हो जाती हैं।
- इसी प्रकार से चंद्रमा तथा शुक्र का लग्न या सप्तम भाव में होना भी प्रेम विवाह की ओर संकेत करता है इसलिए, पूजा घर में हस्तनिर्मित चंद्रमा और शुक्र के वैदिक यंत्र की स्थापना वैवाहिक सुख प्रदान करती है!
- जब शुक्र के साथ राहु की युति हो और इन पर शनि की भी पूर्ण दृष्टि हो तो ऐसा योग कई बार अंतर्जातीय प्रेम विवाह भी करा देता है !

बात करते हैं 'मधुर वैवाहिक जीवन के योगों की' तो दांपत्य सुख प्राप्ति के लिए सप्तम भाव का विशेष महत्व है।

- जब सप्तम भाव और सप्तमेश पर पाप ग्रहों का प्रभाव ना होकर शुभ ग्रहों का प्रभाव होगा और सप्तमेश भी अशुभ भाव यानि 6, 8, 12वें भाव में पाप ग्रहों से युक्त नहीं होगा, तो व्यक्ति को सुखद दांपत्य जीवन की प्राप्ति अवश्य होगी।
- कुंडली में शुक्र, गुरु और चंद्रमा की मजबूत स्थिति होने पर भी उत्तम वैवाहिक सुख की प्राप्ति होती है।
- कुंडली में सप्तमेश की नवमेश के साथ युति किसी भी केंद्र में हो और बुध, गुरु या शुक्र में से कोई एक या अधिक ग्रह उच्च के हों तो भी दांपत्य जीवन बेहद मधुर होता है।
- इसी प्रकार से द्वादश भाव एवं द्वादशेश पर किसी भी प्रकार के पाप ग्रहों का प्रभाव ना होकर शुभ ग्रहों का प्रभाव होगा तो भी व्यक्ति को दांपत्य और शैय्या सुख की अवश्य ही प्राप्ति होती है।
- ऐसे ही द्वितीय भाव और द्वितीयेश पर पाप ग्रहों का प्रभाव ना होकर यदि शुभ ग्रहों का प्रभाव हो तो भी दंपत्ति को वैवाहिक सुख के साथ ही पारिवारिक सुख की भी प्राप्ति होती है।

बात करते हैं कि 'जीवन साथी कैसा होगा' तो कुंडली का सातवां घर शादी का होता है।

- यदि गुरु से सातवें घर में शुक्र बैठा है तो भी आपको सुंदर पत्नी प्राप्त होगी।
- यदि पाप ग्रह से रहित सप्तमेश को शुक्र ग्रह देख रहा हो तो भी आपकी पत्नी सुंदर होगी।
- जब पाप ग्रहों से रहित गुरु ग्रह सप्तम भाव में बैठता है तब भी जातक को सुंदर व सात्विक जीवन साथी की प्राप्ति होती है।
- जब लग्न में स्थित बली शुक्र सप्तम भाव में स्थित पाप ग्रहों से रहित चंद्रमा को देखता है तब भी व्यक्ति को सुंदर पत्नी की प्राप्ति होती है।
- ऐसे ही कुंडली में अगर शुक्र सप्तम भाव में तुला, वृष या कर्क राशि में स्थित हो तब भी व्यक्ति की पत्नी श्वेत वर्ण एवं आकर्षक नयन, नक्श वाली होती है।
- इसी प्रकार से स्त्री की बात करें तो यदि स्त्री की कुंडली में बुध और शुक्र लग्न में हों तो वह कमनीय देह वाली कला युक्त, बुद्धिमती और पति प्रिया होती है।

* दंपत्ति के द्वारा आपसी प्रेम को बढ़ाने के लिए अपने पूजा घर में हस्तनिर्मित गुरु व शुक्र के वैदिक यंत्र की स्थापना बेहद शुभ परिणाम देती है।

* चंद्रमा वैवाहिक सुख प्रदान करने वाला ग्रह है इसलिए चंद्र के वैदिक यंत्र की स्थापना भी उत्तम वैवाहिक सुख प्रदान करती है।

* घर के वास्तु दोषों को कम करने के लिए हस्त निर्मित संपूर्ण वास्तु यंत्र को पूजा घर में लगाने पर आपसी प्रेम व वैवाहिक सुख में वृद्धि होती है।

* ऐसे ही दंपत्ति द्वारा अपने बेडरूम में सकारात्मक ऊर्जा के निरंतर प्रवाह के लिए रत्न जड़ित स्फटिक पॉजिटिव एनर्जी टावर की स्थापना करने पर आपसी प्रेम व सामंजस्य में वृद्धि देखने को मिलती है। इन सभी उपयोगी यंत्रों की डिटेल आपको वीडियो के नीचे मिल जाएगी।

- जन्मकुंडली और वास्तु शास्त्र से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आप हमसे ऑनलाइन हमारी वेबसाइट एस्ट्रोलॉजर योगेश डॉट कॉम के माध्यम से भी संपर्क कर सकते हैं।

डॉ. योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
website- https://www.astrologeryogesh.com

अंधविश्वास की डोर

अंधविश्वास –किन्हीं परम्परागत रूढ़ियों, विशिष्ट धर्माचार्यों के उपदेशों अथवा किसी राजनीतिक सिद्धांत के प्रति बिना सोचे–समझे विश्वास करना और उस पर सभी सीमाओं से परे विश्वास करना है, चाहे वह विश्वास ईश्वर में हो या मनुष्य में। अज्ञान–जनित अविवेकपूर्ण भय तथा पारलौकिक शक्तियों को भोलेपन के साथ स्वीकार करना अंधविश्वास है। मनुष्य को चाहिए कि वह उन रूढ़िवादी परंपराओं को संजोए लेकिन उनमें आस्था देखें, अंधविश्वास नहीं। अंधविश्वास का पहला कारण है डर, मृत्यु का डर, परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने का डर, नौकरी न मिलने का डर आदि ऐसे कई भयावह उदाहरण हैं जिनमें व्यक्ति कमजोर महसूस करता है और उस डर को दूर करने के लिए मनुष्य अंधविश्वास का सहारा लेता है जो उसे अंधविश्वासी बनाता है। यही डर हमारे अंधविश्वास के बीज बोता है जो कई पीढ़ियों से चलता आ रहा है। **विश्व में सबसे ज्यादा अंधविश्वास भारत में हैं।** क्योंकि यहां के लोग भगवान को ज्यादा मानते हैं और इसलिए कुछ लोग इसका फायदा उठाते हैं। मेरा मानना है कि भगवान की आज्ञा का पालन करना चाहिए और उस पर विश्वास करना कोई बुरी बात नहीं है। लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है सत्य और असत्य में भेद करने की क्षमता। मानवता को किसी भी इंसान का सर्वोच्च धर्म माना जाना चाहिए। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दृष्टि से अति विकसित देशों में भी इसका खूब प्रचलन है ।

अक्सर यह मान लिया जाता है कि अशिक्षित लोग अंधविश्वासों में ज्यादा यकीन करते हैं, जबकि शिक्षित लोग अधिक विवेकपूर्ण और तर्कसंगत होते हैं। यह एक गुमराह करने की साजिश है। उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों के बीच भी अंधविश्वास न केवल प्रचलित हैं, बल्कि ऐसे लोगों की आस्था भी इनमें ज्यादा है। अब तो चमत्कारी बाबाओं की धाक इस बात पर निर्भर करने लगी है कि विदेशों में उनकी कितनी स्वीकार्यता है। अनेक प्रसिद्ध वैज्ञानिक अपने निजी जीवन में घोर अंधविश्वासों में लिप्त रहते हैं। ये वैज्ञानिक अपनी प्रयोगशालाओं में बहस के आधार पर प्रयोग करते हैं । सत्य की खोज में तर्क एक प्रमुख औजार बन गया है। प्रयोगशाला के बाहर वही वैज्ञानिक आस्थाओं, कर्मकांडों और अन्य कई प्रकार की गैर तार्किक परिस्थितियों में जीते हैं।

विश्वास, सत्य और अनुभव जीवन का सहारा हैं। ये तीनों एक–दुसरे पर निर्भर हैं और एक–दूसरे के अस्तित्व के लिए जरूरी भी हैं। बिना विश्वास के अनुभव नहीं होता और अनुभव सिद्ध हुए बिना किसी बात या तत्त्व को सत्य नहीं मानते। इस प्रकार सत्य और अनुभव के मूल में विश्वास ही है। विश्वास पर ही यह जीवन टिका है। यह मनुष्य की दुर्बलता भी है और शक्ति भी। जब विश्वास अनुभव की कसौटी पर खरा नहीं उतरता तो वह अंधविश्वास और पाखण्ड हो जाता है। मानव जीवन में ऐसे क्षण आते रहते हैं, जब वह अपने आपको असहाय, अकेला, निराश और असहज पाता है। ऐसे में उसे अपने आप से बाहर निकल कर सहारा ढूँढना पड़ता है और उस सहारे के प्रति विश्वास का ताना–बाना बुनना पड़ता है, चाहे वह छलावा ही क्यों न हो? इसी प्रक्रिया में विश्वास, अंधविश्वास और मिथक जन्म लेते हैं। जादू–टोना पर विश्वास तो और भी भयंकर स्थिति है। बीमारी में झाड़ा, तंत्र–मन्त्र फूँकने वालों के पास जाना, ताबीज पर पूर्ण विश्वास वैज्ञानिक प्रगति का घोर अवहेलना है। अंधविश्वासों का जन्म और प्रचलन जीवन की अनबूझ पहेली जैसी स्थिति में नियंत्रण करने के लिए होता है। जब मनुष्य को कोई उचित मार्ग दिखाई नहीं पड़ता तो अंधकार में छटपटाहट से उभरने और बचने के लिए जीने का बहाना ढूँढना पड़ता है। अंधविश्वास ऐसे ही बहानों के बलबूते गढ़े जाते हैं, जीवित रहते हैं और जिंदगी में अहम् भूमिका निभाते हैं।

वहीं दूसरी ओर औद्योगिकीकरण, नगरीकरण और पश्चिमीकरण को सर्वथा सुरक्षित मानते हुए सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसने हमारे मूल्यों, वरीयताओं, आदर्शों और उनसे जुड़े विश्वासों को झकझोर कर रख दिया है। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और साथ ही साथ विश्वास भी। पर यह सब अपरिहार्य सामाजिक–ऐतिहासिक दबावों के बीच हुआ, न कि परीक्षा के उपरांत या सोच–विचार कर। इस स्थिति का परिणाम यह हुआ कि हम एक अस्पष्ट, संदिग्ध और संशयग्रस्त जीवन जीने के अभिशप्त हो गये। जीवन में छल, धोखा, प्रपंच और तमाशा प्रधान होते गये। साझेदारी और परस्पर भरोसे के स्थान पर दंभ और अहंकार बढ़ता गया। तब विश्वास का स्थान अंधविश्वास ने लिया और सामाजिक जड़ता विविध रूपों में प्रकट होने लगी। आज बौद्धिकता के प्रबल आग्रह की जमीन में भी सत्य, शिव, सुंदर की दुहाई देने वाले देश में, सत्य की अनुभूति की जिज्ञासा करने वाले देश में अब कोरे विश्वास एवं खोखले विश्वास, अनुभव को मुँह चिढ़ाते चारों ओर चुनौती दे रहे हैं। उनकी चुनौती तो कोई नहीं स्वीकारता। हाँ, उन्हें हथियार बनाकर या ढाल बनाकर अपना उल्लू जरूर सीधा करने की कोशिश होती रहती है।

मध्य–युग में साहसी संत कबीर ने व्यर्थ की रूढ़ियों, लोकाचारों और क्षुद्र–विचारों का न केवल विरोध किया, अपितु व्यंग्य की धार से भी उन्हें काटा। वर्तमान समाज को आज कबीर चाहिए जो न केवल भारत को अंधविश्वास, नकारात्मक रूढ़ियों और अहितकर लोकाचारों से मुक्ति दिला सके, बल्कि सम्पूर्ण विश्व तार्किक सत्य, अनुभव और विश्वास पर जी सके। अंधविश्वास की डोर को मिटाना किसी भी देश के लिए बहुत जरुरी हो गया है क्योंकि अंधविश्वास किसी भी देश को उन्नति करने से रोकता है। तथा देश के युवाओं को भविष्य में सही राह में चलने में रूकावट पैदा करता हैं। अगर हम खुद पर विश्वास करने, अपने डर को दूर करने जैसे काम करेंगे तो अंधविश्वास हमेशा के लिए दूर हो जाएगा, इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा और इससे मानव का कल्याण भी होगा और हमारा भारत प्रगति पथ पर आगे बढ़ेगा। – **मुकेश कुमावत बोराज,** जयपुर

Syndicate (व्यवसाय संघ)

आज के हमारे इस लेख का शीर्षक ही इस लेख के शब्दों की वास्तविक आत्मा हैं। अगर हमारा समाज एवं प्रत्येक सामाजिक प्रतिनिधि इस शीर्षक के महत्व को आत्मसात कर ले तो हमारे समाज को अन्य अग्रणी समाज के समान स्थान लेने से कोई रोक नहीं कर सकता है। **सिंडिकेट** का आश्य हैं एकता, संघटन एवं संघ, जिसका मूल उद्देश्य होता है समूह के सभी लोगों का सामूहिक हित, सभी के सुख-दुःख की हिस्सेदारी, जवाबदारी तथा जिम्मेदारी।

सिंडिकेट एक ऐसा कवच होता है जो किसी भी सदस्य को बाहरी ताकतों, दबावों, प्रभावों से बचाकर रख सकता है कोई भी मुसीबत सिंडिकेट के सामने छोटी हो जाती है जो किसी भी व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत रूप से हल शायद तकलीफ देह हो सकता है। कहते है कि फिल्मे समाज का आइना होती है क्योंकि फिल्मों के कहानीकार वही लिखते हैं जो घटनाएं हमारे जीवन में घटित होती है या हो रही होती है। अगर हम फिल्मों को भी ध्यान से देखें तो पायेंगे कि चाहे हीरो हो या विलेन दोनों का ही अपना-अपना समूह होता है जिसमें दोनों तरफ से एक आत्मजुटता , सहयोग तथा समर्पण की भावना देखी जाती हैं। अगर हाल ही की बात करू तो हर्षद मेहता के जीवन पर आई सीरीज में एक दृश्य दिखाया गया है जिसमें हर्षद मेहता को सिटी बैंक का अधिकारी स्पष्ट शब्दों में कहता है कि हमारी सिंडिकेट (कार्टेल - पेडिग्री) है जिसमें किसी भी बाहरी व्यक्ति या समूह का आना नामुमकिन है, इस बात को अंत तक निभाते भी है और इसके महत्व को साबित भी करते है।

यह उदाहरण समाज से ही निकला हुआ हैं। ध्यान से देखे तो हमें समझ आएगा कि अग्रणी जातियों में एक गहरा **सिंडिकेट** है जिसके फलस्वरूप उनके समाज की व्यापार एवं राजतंत्र में गहरी पैठ बनी हुई है और इसके फलस्वरूप उन्हें गांव, जिलों, राज्य, देश व विदेश में अलग पहचान मिली हुई है।

आज हमारे समाज ने शिक्षा, व्यापार, राजनीति, कला, भवन-निर्माण इत्यादि में अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी से एक चिन्हित व्यक्तिगत पहचान तो बनाई है और आगे भी बनाते रहेंगे परंतु सिंडिकेट की मानसिकता व दूरगामी परिणाम के अभाव में सामूहिक पहचान से हम अभी भी कोसो दूर है!

आज सामाजिक मीडिया के माध्यम से हम हर दिन युवक-युवतियों के डॉ, सीए, सीएस, इंजीनियर, प्रौद्योगिकी, आईएएस, आरजेएस, अनेक राजनीतिक दलों में पदोन्नति या पदग्रहण की सूचनाएं निरंतर पढ रहे है जिन्हें पढ़कर बड़ा गर्व होता है। देश-विदेश के हर बड़े शहर में हमारे लोग रहते है और एक सफल जीवन जी रहे हैं, इससे हमारे समृद्ध होने का एहसाह होता है। बस टीस यही उठती है कि एकांकी सफलता के बाद हम अपने समाज का सिंडिकेट (समूह) तैयार नहीं कर पाते हैं हम अपनी अपरिपक्व सफलता के दंभ में बाकियों से अलग-थलग हो जाते हैं जिसका अंत में पता चलता है जब मान-सम्मान और साथ को खरीदना पड़ता है, वो अर्जित नही हो पाता है।

सिंडीकेट का मतलब ही है कि आप शिक्षा, प्रशासनिक, व्यापार, कला, निर्माण, राजनीति, प्रौद्योगिकी या अन्य किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो तो उस विषय की जानकारी अपने समाज के युवा वर्ग को भी प्रदान करें कि कैसे वो शिक्षा के क्षेत्र में विषयों का चयन करें? कैसे प्रतियोगिता में भाग ले? राजनीति में कैसे अत्यधिक संख्या में जोड़े? जमीनी स्तर की राजनीतिक कार्यप्रणाली को समझे, जो प्रशासन में हैं वो उनके कार्यक्षेत्र में आने वाली सभी योजनाओं के बारे में अवगत कराए, उन योजनाओं का लाभ कैसे मिले उसे समझाए, जो कोई व्यापार में हैं तो व्यापार से संबंधित बारीकियां सिखाए, लागत और बिक्री से लाभ कैसे बनाए? व्यापार को उच्च स्तर तक कैसे लेकर जाए यह सिखाए, कानूनविद अपने ज्ञान द्वारा अपने लोगों की कानूनी मदद करे, वित्त विशेषज्ञ कर व वित्त के सही उपयोग को बताए। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिसमें हम अपने-अपने क्षेत्र में एक सिंडिकेट तैयार कर सकते हैं। सामाजिक संस्थाओं और पत्रिकाओं का भी यह कर्तव्य बनता हैं कि लगातार ऐसे सामूहिक आयोजन करते रहे अपने समाज के बौद्धिक वर्ग को आम लोगों से जोड़ने के कार्यक्रम निरंतर करते रहे। **हमें बस बिखरी पड़ी कड़ियों को जोड़ना मात्र है और आप-हम देखेंगे की कैसे सारी फिजा बदल सकती है?**

इस लेख के माध्यम से सभी लोगों से यह विनती है कि अपने आसपास में अपने क्षेत्र में अपने समाज के लोगों के साथ एक परिपक्व मजबूत सिंडिकेट का निर्माण करें। अपने अधीनस्थ, अपने से कमजोर व अपने साथ के लोगों को समूह में रहने, समूह में काम करने व समूह की ताकत का एहसास कराएं। उन्हें अन्य समाज और अन्य कई विकसित संस्थाओं का उनके संगठन के प्रति जिम्मेदारी और सफलता को सभी सदस्यों में समान रूप से लाभ प्राप्त होने के बारे में अवगत कराए। इतिहास गवाह है जिन्होंने भी समूह के साथ कोई कार्य किया है या कोई अनुष्ठान किया है उन्होंने सदैव सफलता अर्जित की है।

हम इन्ही शब्दों के साथ बस निवेदन कर सकते हैं कि जो भी इस लेख को पढ़ें आज से, अब से, अभी से अपने सामाजिक सदस्यों को अपने साथ जोड़े उन्हें शिक्षित करें उनका सहयोग करें, उनका साथ दें, यकीन मानिए आपकी ताकत दिन-दुगनी रात-चौगुनी हो जाएगी। यहां ताकत का अभिप्राय किसी को भी किसी प्रकार की क्षति या हानि पहुंचाने का नहीं है, बल्कि हम अपने को मजबूत करके समाज एवं देश की प्रगति के लिए चिन्हित सहयोग कर सके।

-मुकेश कुमावत (निमीवाल), मुंबई

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, किशन मानपुरा, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

20 अगस्त श्री किशनलाल दम्बीवाल मदनगंजनकिशनगढ़, अजमेर
20 अगस्त श्रीमती मनभर देवी धर्मपत्नी श्री बोदूराम खाटवाल, सांगानेर, जयपुर
21 अगस्त श्री कृष्ण गोपाल मारवाल, रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर
21 अगस्त श्रीमती मनभर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल मारोठिया, सिरसी, जयपुर
21 अगस्त श्रीमती नाथ ीदेवी धर्मपत्नी श्री रामनारायण छापोल, सांगानेर, जयपुर
21 अगस्त श्री सतीश कुमार छापोला, पांच्यावाला, जयपुर
24 अगस्त श्री नवल किशोर गैदर, सेन्दड़ा रोड, ब्यावर अजमेर
24 अगस्त श्री रामनारायण मोरवाल, दुगार्परा, जयपुर
25 अगस्त श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी चुन-नीलाल धनारिया, कालिन्दीविहार, कांकरोली,
26 अगस्त श्रीमती मुन्नी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री छबीलदास जलांधरा, बनीपार्क, जयपुर
26 अगस्त श्रीमती ज्ञानेश्वरी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री जोगेन्दर सिंह मारवाल, जयपुर
26 अगस्त श्रीमती फूली देवी धर्मपत्नी श्री तेजमल कुमावत, सिविल लाइन, जयपुर
27 अगस्त श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी श्री चेतराम देवतवाल, मुरलीपुरा, जयपुर
27 अगस्त श्रीमती चुन्नी देवी धर्मपत्नी श्री मोतीलाल सिरस्वा, मानसरोवर, जयपुर
28 अगस्त श्री फूल चन्द किरोड़ीवाल, कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
30 अगस्त श्रीमती मीरा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोहन लाल देवतवाल, सोडाला, जयपुर
2 सितम्बर श्री विष्णु मुन्दोलिया (कुमावत) चौमूं, जयपुर
4 सितम्बर श्री ओम प्रकाश झुझुनोदिया, ब्यावर, अजमेर
5 सितम्बर श्री गुरु प्रसाद मारवाल (अशोक) श्री राम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर
5 सितम्बर भागीरथ बालोदिया, रामनगर विस्तार, जयपुर
5 सितम्बर श्रीमती नाथी देवी धर्मपत्नी स्व. दयाल चन्द राजोरिया, झोटवाड़ा, जयपुर
6 सितम्बर श्री राकेश खोवाल नमक की मण्डी, किशनपोल बाजार, जयपुर
7 सितम्बर श्रीमती बसन्ती देवी धर्मपत्नी श्री भंवरलाल दुबलिया किशनगढ, अजमेर
7 सितम्बर श्री रमेश चन्द जूनवाल, पुत्र श्री रामप्रसाद मोहन नगर, मान्यावास, जयपुर
7 सितम्बर श्री दुर्गालाल खोवाल, लाल कोठी योजना, जयपुर
7 सितम्बर श्रीमती धापा देवी कृष्णा विहार, निवारू जयपुर
8 सितम्बर श्री गणपत लाल घोड़ेला मण्डाभीम सिंह, जयपुर
9 सितम्बर श्रीमती कमलाबाई धर्मपत्नी स्व. श्री शंकरलाल डूंगरवाल कुमावत मोहल्ला बेगू
16 सितम्बर, श्री बाबूलाल खोराणिया, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
हेमन्त	B.A.	-	20.8.98	5'5''	एकलीया	गुडीया	साड़ीवाल	सिंदल	9828113255	अजमेर
राहुल	B.Tech.	-	7.9.96	-	दम्बीवाल	बबेरीवाल	अजमेरा	बालोदिया	9414537372	फुलेरा
जयकिशन	B.Com.	Travels Agency	10.10.97	6'0''	अनावडिया	बालोदिया	सिघीवाल	पारमवाल	9460709447	ज़्यावर
लखन	M.com., CS,LLB	Advocate	22.7.92	5'5''	अडानिया	कुण्डलवाल	मोरवाल	बरोडिया	8780855282	गुजरात
राकेश	Radition Graduation	Govt. Employee	30.12.96	5'9''	देवतवाल	ललना	सिंघनवाल	महावर	8239104478	अजमेर
गोरांश	B.Tech.	Self business	20.2.93	5'7''	अनावडिया	तांगड़ा	खोरानिया	खाटूवाल	9896476213	जयपुर
अनुज	B.Com.	Private job	3.4.96	5'8''	तूंदवाल	खोरानिया	बैथाड़िया	किरोड़ीवाल	9314634880	जयपुर
दिनेश	B.Com.	Vido editing	6.9.90	-	अडावनिया	मारोठिया	सिरस्वा	मारवाल	9826097693	इंदौर
नेमीचन्द	M.A., B.Ed.,LLB	Advocate	7.6.92	5'7.5''	कुदाल	राहोरिया	बारनवाल	धुंधारिया	9784433702	किशनगढ़
हरीश	10th	electric shop	27 वर्ष	5'3''	मारोठिया	जलान्दरा	मामोडिया	बालोदिया	9799424528	जयपुर
कमल	B.Com.	Sr. Executive (5lac ann.)	3.6.92	5'11''	कारगवाल	देवरथ	धमुनिया	कण्डेरीवाल	7737539661	जयपुर
सुभाष	Diploma Lab Tech	Technician in SMS	22.9.98	6'0'	धुंधारिया	सिंघाटिया	दम्बीवाल	बासनीवाल	9828092542	जयपुर
रवि	Poly.Diploma B.A.	Lift contractor	13.9.95	5'11''	नारानिया	इयाना	राहेरिया	माचीवाल	9251908561	फुलेरा
मयूर	B.Sc.	Asst. Manager MNC	22.2.96	5'7''	मारवाल	माचीवाल	घोड़ेला	मनेठिया	9785152140	गुडगांव
अंकित	M.Com..RS-CIT	-	31.12.95	5'8''	सिरोहिया	खड़गटा	होदकास्या	घोड़ेला	8619905811	जयपुर
अनिरूद्ध	B.Tech (medi)	-	13.11.96	5'8''	मारोठिया	सिरोडिया	कुण्डलवाल	लाम्बा	9828103125	जयपुर
लखन	Diploma in civil	Architecturel designer	13.7.94	5'6''	सिरस्वा	मारोठिया	जलान्दरा	मारवाल	9602231197	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
भाग्यश्री	B.Tech (CS)	-	7.11.94	5'5''	अनावड़िया	बालोदिया	सिंधीवाल	पारमवाल	9460709447	ज़्यावर
शिवानी	M.A.	-	23.6.97	5'6''	अनावड़ा	मुण्डेल	खटोड़	कर्सानिया	982815077	निज़्बाहेड़ा
आयुषी	M.A., Fashiondeg	Beauty Parlour	1.8.95	5'4''	जलान्दरा	जालवान	धुंधरिया	बालोदिया	8000788131	जयपुर
संजना	BCA., NIIT	SEO Specialist	19.11.97	5'0''	घासोलिया	कारगवाल	धुमुनिया	दादरवाल	9560205440	गुडगांव
अनीता	M. Com.	Self Employee	5.12.93	5'3''	किरोड़ीवाल	डिगलीया	जलान्दरा	दादरवाल	9828300945	झुंझुनूं
कल्पना	M.A.	-	30.4.98	-	टोंक	देमीवार	नगरिया	छापोला	8107303767	निज़्बाहेड़ा
कौशल्या	B.Com.	Ac. Manager (Banglor)	24.2.96	5'0''	झुंझुनोदिया	मारोठिया	अडानिया	गुरिया	9844066048	नागौर
प्रतिभा (तलाकशुदा)	B.A.,LLM	-	15.12.86	-	किरोड़ीवाल	बारावाल	कुसुम्बीवाल	सिरोहिया	9413748672	जयपुर
पूजा (मांगलिक)	B.Com. LLB.	Audit Excutive	2.6.87	5'5''	देवतवाल	मावर	मारोठिया	मुण्डिया	7878327648	मुज़्बई
निकिता	12th	-	10.12.96	5'3''	मंगलवानिया	खटोड़	डूंगरवाल	दोराया	9827088443	इंदौर
भावना	M.Com.	Private Teacher	7.10.92	5'1''	मालविया	धीरूदिया	बावलिया	माचीवाल	7597844211	पाली
भारती	LLB	-	14.3.96	5'2''	मारोठिया	पीपलोदा	घोड़ेला	जलान्दरा	9784074572	किशनगढ़
ज़्याती	B.Tech.(EC)	Auditor Ministor of Def.	10.2.94	5'5''	घोड़ेला	भोड़ा	जालवाल	मारोठिया	9672750188	जयपुर
अभिलाषा	M.V.A.	Graphic Designer	20.12.91	5'2''	खरनारिया	धमेरिया	धुमानिया	किरोड़ीवाल	9414041838	जपुर
पूजा	B.Tech (IT) M.Tech	Private	23.3.95	5'5''	चांदोरा	टांक	मालवीय	गवालचा	9893065228	सनवाड़
भावना	B.ScA.	Student	20.11.2001	-	गंगनवाल	गमेरिया	धनेरिया	दज़्बीवाल	8290615008	ज़्यावर
पारूल	B. A., MBA	-	19.3.91	-	सिरस्वा	कुण्डलवाल	सारड़ीवाल	मारवाल	9718779777	किशनगढ़
दीपा	M.Com.,C. A.	-	1992	-	बबेरवाल	दज़्बीवाल	मारोठिया	नागा	9887626632	ज़्यावर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

हमारे माता-पिता हमें इस संसार में लाए, भरण-पोषण कर तथा शिक्षा दिलाकर योग्य बनाया। इसके बाद भी हर समय एक वृक्ष की छांव की तरह हमारा संरक्षण किया, चल-अचल सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग सिधार गए। हम उनकी चिरस्मृति बनाये रखने के लिए उनकी पुण्य तिथि का विज्ञापन दे सकते हैं।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री चन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

अनूठे अंदाज में मनाया जन्मदिन

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर को 11,111 रूपये भेंट किए

हर कोई अपना जन्मदिन अलग-अलग अन्दाज में मनाते हैं। छोटे बच्चों का जन्मदिन होता है तो बच्चों कि पार्टी, महिलाओं का जन्मदिन हो तो किटी पार्टी तथा बुजुर्गों का जन्म दिन हो तो धार्मिक आयोजन रखा जाता है।

नन्हीं बालिका कनिष्का कुमावत (गुडीवाल) ने अपना जन्मदिन अनूठे अंदाज में मनाया। कनिष्का हर वर्ष अपना जन्मदिन वृक्ष लगाकर, गरीब, शोषित, वंचित लोगों के बीच जाकर मनाती है। इस बार इस नन्हीं बालिका ने अपने जन्मदिन पर ''समाजोत्थान व विकास कार्यों'' के लिए अपनी बचत का कुछ हिस्सा 11,111 रुपये कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, जयपुर को भेंट किये हैं।

नन्हीं बालिका कनिष्का ने बताया कि मेरे पिता ने जन्मदिन के लिए जो पैसे दिये उनको मैंने, समाज के कार्यों के लिए समिति को देकर प्रसन्नता हुई है। समाज की बेटियाँ भी आज बेटों से पीछे नहीं है। उसने यह भी कहा कि हम अपना जन्मदिन व वैवाहिक वर्षगांठ मनाये पर समाज के लिए भी उसमें से कुछ भाग अवश्य दें।

इस अवसर पर कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर के अध्यक्ष श्री बाबूलाल ब्याड़वाल ने कहा कि जन्मदिन के अवसर पर इस बच्ची ये पहल बहुत ही सराहनीय है। निश्चित रूप से समाज के और लोग भी प्रेरणा लेते हुए इस नेक कार्य में बढ़ चढ़कर भागीदार बनेंगे। उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि इनके पिता जयसिंह गुडीवाल ने इस तरह के संस्कार अपने बच्चों को दिये हैं।

इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका तथा कुमावत क्षत्रिय विकास समिति मालवीय नगर जयपुर के अध्यक्ष रमेश गैदर ने नन्हीं बालिका को बधाई देते हुए कहा कि यह अनूठी पहल सभी के लिए प्रेरणादायक है तथा समाज को इसका अनुसरण करना चाहिए।

वैवाहिक

पूजा कुमावत

जन्म तिथि	:	1 सितम्बर, 1993 **जन्म स्थान :** जयपुर **ऊंचाई :** 5'7''
शिक्षा	:	Pursuing Ph.D (Final Year, IIT Kharagpur), M.Tech (IIT Bhuwneshwar), B.Tech (ECE, RCEW, Jaipur)
पौत्री	:	श्री जगदीश प्रसाद जी आसीवाल, देवगुढ़ा प.सं. जालसू, जयपुर
पुत्री	:	शंकर लाल कुमावत (स्टेशन अधीक्षक, जयपुर उ.प.रे. से सेवानिवृत्त) -श्रीमती धन्नी देवी
भाई-भाभी	:	अरविन्द कुमावत Sr. Software Engineer (Microsoft, USA)-राजप्रिया B.Tech (MBA) प्रतीक कुमावत (सहायक अभियन्ता, नगर निगम, जयपुर)-खुशबू M.Sc.(Maths)
नानाजी	:	श्री छोटे लाल जी छापोला मण्डाभीम सिंह वाले, जयपुर
गौत्र	:	आसीवाल, छापोला, आईथान, झुनझुनोदिया, भुरोदिया

62, भारतेन्दु नगर, खातीपुरा रोड, खातीपुरा, जयपुर
मो. : 9828438388

वैवाहिक

NARENDRA KUMAWAT

Date of Birth	- 31-01-1989
Place of Birth	- Jaipur
Time of Birth	- 7:25 am
Height	- 5'10
Complexion	- Fair
Education	- B.Com, M.Com(ABST) , CS Final, Diploma in Banking & Finnance & GST Practitioner Certification under BFSI (Level-1)
Occupation	- Currently working in SP Construction Company (PSU contract work) as an Accountant and preparing for Govt. job .

FAMILY BACKGROUND

Father's Name	- Shri Satya Narayan Kumawat (Retd. from Rajasthan University)
Mother's Name	- Smt. Ramjanki Kumawat (House wife)
Elder Brother	- Mukesh Kumawat (working in PNB)
GOTRA	**Self -** Naga **Mother -** Godiwal **Dadi -** Godela **Nani -** Kaketiya
Address	: 24 Avadhpuri Colony, Gandhi Nagar Mod, Tonk Road, Jaipur.
Mob. No	: 9887095883

44वाँ जन्मदिन
श्रीमती रेनू कुमावत
पत्नी चेतन धुंधारिया
30 सितम्बर, 2022

77वाँ जन्मदिन
हेमचन्द खड़गटा
30 सितम्बर, 2022

44वाँ जन्मदिन
पवन कुमावत (धुंधारिया)
1 अक्टूबर, 2022

73वाँ जन्मदिन
कस्तूरमल कुमावत
2 अक्टूबर, 2022

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु : कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

छात्रसंघ के चुनावों में समाज के विजय घोषित प्रत्याशी

- राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर : धरा कुमावत (N.S.U.I.) संयुक्त सचिव
- रेनवाल (जयपुर) : राधेश्याम कुमावत अध्यक्ष (50 वर्षीय)
- राजकीय श्रीसीताराम मोदी संस्कृत महाविद्यालय नीमकाथाना (सीकर) : उपाध्यक्ष पूजा कुमावत (A.B.V.P.)
- एस.के. गर्ल्स कॉलेज सीकर : संयुक्त सचिव बबिता कुमावत (S.F.I.)
- राजकीय विधि महाविद्यालय पाली : अध्यक्ष मुकेश कुमावत (A.B.V.P.)
- रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, मुहाना, जयपुर : अध्यक्ष पंकज कुमावत (निर्दलीय)
- राजकीय महाविद्यालय पुष्कर : अध्यक्ष हर्षित कुमावत
- G.C. उनियारा (टोंक) : उपाध्यक्ष दीपक कुमावत निर्विरोध
- राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय, उदयपुर : शांति लाल कुमावत महासचिव

विजयी हुए प्रत्याशी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

31वीं पुण्यतिथि
8 सितम्बर, 2022

स्व. श्री नवरतन वर्मा
संस्थापक पत्र ट्रस्ट
स्व. 8.9.1991

स्व. श्रीमती रुकमणी देवी
स्व. 15.7.2000

22वीं पुण्यतिथि
15 जुलाई, 2022

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु
कर्नल चन्द्र प्रकाश वर्मा-उषा वर्मा,
कर्नेल वर्मा-मीना वर्मा
जरनेल वर्मा-रेखा वर्मा
पौत्र-पौत्रवधु एवं खरनारिया परिवार

95-नेमी सागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर
मो. 9829180069 फोन नं. 0141-2358942

29वीं पुण्यतिथि
7 अक्टूबर, 2022

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

23वीं पुण्यतिथि
9 अप्रेल, 2022

भौंरीलाल धुंधारिया (भंवर जी) श्रीमती मॅंवरी देवी

श्रद्धासुमनांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता, पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचंद घोड़ेला-रुकमणी, मोहनलाल रेणीवाल-शांति, प्रेमनारायण घोड़ेला-इंदिरा पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा, राहुल-मानसी, नीरज-चिंकी, दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी, कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी, पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता-नरेन्द्र आसीवाल

बी-137बी, आनन्दपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9414335998
27, शिव विहार, महाराणा प्रताप रोड, जयपुर मो. 72129924039

ना चिट्ठी ना कोई संदेश, ना जाने वो कौन सा देश जहाँ आप चले गए

36वीं पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन

29 सितम्बर, 2022

स्व. श्री हनुमान लाल कुमावत

(बैंक ऑफ बड़ौदा)

जब भटकते हैं कभी रास्ता दिखाते हो।
निराश होते हैं कभी, हौंसला बढ़ाते हो।
आप बहुत-बहुत, याद आते हो।

धर्मपत्नी : केसर देवी (बैंक ऑफ बड़ौदा)
पुत्र-पुत्रवधु : श्रवण-कविता (क्षेत्रीय प्रबंधक राजस्थान, टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेन्स लि.)
भानुप्रताप-शारदा (वरिष्ठ प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा)
पुत्री-दामाद : मोनिका-अश्वनी कुमार
पौत्र-पौत्री : देवांश, विभांशु, आरव, विन्नी भोरोदिया
दोहित्र : मान, दोहित्री : खिलांशी

पता : प्लॉट नं. 21, गोविन्द नगर, डी.सी.एम.,
अजमेर रोड, जयपुर मो. 9829766200

21वीं पुण्यतिथि
22 सितम्बर, 2022

स्व. श्री निर्भयाराम घोड़ेला

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

धर्म पत्नी : श्रीमती चौसर देवी, पुत्र-पुत्रवधु : चेतन-भारती, सुनील-सरिता
पुत्री-दामाद : तारा-कल्याण सिंह कैकट्या, शोभा-अनिल जालवाल,
सुषमा-विनीत तारकसी पौत्रः शिवम, कार्तिक, पौत्री : गारगी, कनिष्का

फर्म :

■ मै. श्योजीराम निर्भयराम कुमावत
बिल्डिंग मैटेरियल एवं वाटर सप्लायर्स, फोन : 2707003
■ कार ट्रेक 9414245930
एस.बी. 116, मंगल मार्ग, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर।
निवास : एफ 167, गौतम मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
फोन : 9351715807

षष्टम पुण्यतिथि

23 सितम्बर, 2022

स्व. श्री बिरदीचन्द सिरोहिया

(ठेकेदार)

हम सभी परिवारजन आपको भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

पुत्र-पुत्रवधु : ताराचन्द-संतोष, घनश्याम-कान्ता
रामसिंह-सुनीता, जितेन्द्र-मोना
दामाद-पुत्रियां : स्व. श्री राम सिंह अनावड़िया-विमला देवी
मोहन प्रकाश देवत-पार्वती, महेन्द्र शंकर दादरवाल-मंजू देवी
पौत्री दामाद-पौत्रियां : दीनदयाल DD-मीनू, भानू प्रकाश-दिप्ती, निश्चल-अंजू
पौत्र : विनोद, रोबिन, माधव
पौत्रियाँ : रिद्दीमा, सिद्दीमा, कुनिका, प्रतिभा, नैन्सी

फर्म : मै. बिरदीचन्द कन्स्ट्रक्शन कं.
सिरोहिया भवन, मालपुरा गेट, सांगानेर, जयपुर-302029
मो. 9414203655

टीम चेतन धुंधारिया

को

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में

महामहिम राज्यपाल **श्री कलराज मिश्र**

द्वारा शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर

'निक्षय मित्र' सम्मान दिये जाने पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल सम्मान ग्रहण करते हुए

शुभेच्छु :

श्रीमती मीना-राकेश कुमावत (आसीवाल)

वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी,

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान जयपुर

रजि. सं. 2005/175

मास्टर भौंरीलाल वर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट

30, नवल निकुंज, पंचवटी जेडीए कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

स्व. मास्टर भौंरीलाल वर्मा (देवतवाल)

(14 सितम्बर, 1914-24 सितम्बर 1983)

ट्रस्ट द्वारा मास्टरजी की **108वीं जयन्ती** पर 75वें स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष में ''आजादी की अमृत महोत्सव-नया भारत : अखण्ड भारत'' अथवा ''आजादी का अमृत महोत्सव-विश्व शान्ति'' विषय पर ऑनलाईन राष्ट्रीय स्तर की पैंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता-डिजीटल कला एवं पारम्परिक कला वर्ग में आयोजित की गई। मुख्य समारोह 14 सितम्बर, 2022 को सायं 6.30 बजे आयोजित किया गया।

ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियां

(1) प्रतिवर्ष छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना।

(2) आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को अग्रिम अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करना।

(3) श्रीमती लक्ष्मी स्मृति पुस्तकालय के माध्यम से छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय सहायता करना।

(4) स्व. मास्टर जी की जयन्ती 14 सितम्बर को स्मृति व्याख्यान आयोजित करना एवं समारोह की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान करना एवं छात्रवृत्ति वितरण करना।

(5) समाज सेवा एवं शैक्षणिक उन्नयन हेतु अन्य कार्यक्रमों का आयोजन।

किशोर कुमार देवतवाल
संरक्षक
मो.: 7877095052

रामजीलाल तोंदवाल
अध्यक्ष
मो.: 9828130256

रामचन्द्र वर्मा
उपाध्यक्ष
मो.: 9672750188

धीरज वर्मा
कोषाध्यक्ष
मो.: 9929442200

रविकान्त वर्मा
मंत्री
मो.: 9983314170

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-ए., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018